हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

8 मार्च, 2001 (प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 8 मार्च, 2001

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये	(4)26
तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)30
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई	(4)59
ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचना आदि	(4)60
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव	(4)62
नीलगायों (रोज) द्वारा फसलों की क्षति सम्बन्धी	
वक्तव्य—	(4)63
उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी मुख्य संसदीय सचिव द्वारा—	
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)66
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)79
चौधरी बंसी लाल एम०एल०ए० द्वारा	
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)79
वाक-आउट	(4)97
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)97
बैठक का समय बढ़ाना	(4)99
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)99
वर्ष 2000-2001 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना	(4)100
प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट पेश करना	(4)100

मूल्य : 114 00

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 8 मार्च, 2001

(द्वितीय बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज अब गवर्नर एड्रैस पर चर्चा रिज्यूम होगी। श्री शशि रंजन परमार बोलेंगे।

श्री शशि रंजन परमार (मुंढाल खुर्द) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय राज्यपाल महोदय के द्वारा दिए गए अभिभाषण के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हरियाणा के जननायक आदरणीय मुख्यमंत्री चौ0 ओम प्रकाश चौटाला जी ने कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर देव वाणी संस्कृत में हरियाणा प्रदेश का मुख्य सेवक घोषित कर मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण की थी। उसमें उन्होंने अपनी सहृदयता दिखाई है। हरियाणा प्रदेश में चौ0 ओम प्रकाश चौटाला ने रात की नींद और दिन का चैन छोड़कर जिस तरह जनता जनार्दन के बीच जाकर लोगों की दुःख तकलीफें सुनी हैं वह काबिले तारीफ हैं। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू करके सरकार ने एक मिसाल कायम की है। हरियाणा प्रदेश में जो विकास कार्य काफी लम्बे अर्से से ठप्प पड़े थे, प्रजातंत्र का गला घोंट दिया गया था, प्रदेश में शराब माफिया सक्रिय हो गया था। इस सरकार ने आते ही विकास के कार्यों की चारों तरफ झड़ी लगा दी। प्रदेश में ऐसा कोई गांव या ढाणी नहीं है जहां चौ0 ओमप्रकाश चौटाला जी ने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम द्वारा विकास कार्य न कराए हों। अब मैं अपने हल्के के बारे में कुछ बातें बताना चाहूंगा। पहले धर्मबीर जी कह रहे थे कि भिवानी में विकास कार्य नहीं हुए। मुंढाल हल्के में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मुख्यमन्त्री महोदय गए थे वहां लोगों ने बौंद सब-तहसील बनाने के लिए कहा जिसको चौ0 बंसी लाल जी के समय में तोड़ा गया था। मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला ने लोगों के एक ही इशारे पर वह सब-तहसील बनाने का आदेश दे दिया और आज बौंद सब-तहसील काम कर रही है, यह रिकार्ड की बात है। इसी तरह से जो दूसरे काम हैं जैसे रिटेनिंग वाल, बाउंडरी वाल के, वे सारे के सारे काम इस समय शुरू किए गए हैं। मैं अपने हल्के के बारे में बताना चाहूंगा कि भाई धर्मवीर जी कह रहे थे कि सड़कों पर कहीं कोई पैसा नहीं लगा। बंसी लाल ने अपने पूरे तीन साल के टैन्योर के समय में कोई विकास कार्य नहीं किए। अब इस सरकार के एक डेढ़ साल के पीरियड में मेरे हल्के में वे सभी विकास के कार्य हुए हैं । बंसी लाल के समय में सड़कों की हालत बहुत खराब थी लेकिन अब मैं एक-एक सड़क के बारे में बताना चाहूंगा । धनाना से मिताथल, तिगड़ाना से मुंढाना, मुंढाल से चांग, एक -एक सड़क पर एक-एक डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किया गया है। जो दूसरी ग्रांटें दी गई हैं वे इस प्रकार हैं मिताथल गांव में सवा करोड़ रुपया आया है। मुंढाल खुर्द में डेढ़ करोड़ रुपया लगा है। मेरे गांव में 70 लाख रुपये सवा साल में लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथियों को कहना चाहूंगा कि पहले तथ्यों पर

[श्री शशि रंजन परमार]

विचार करें और सरकार ने जो विकास के कार्य किए हैं उनकी इनको तारीफ करनी चाहिए। इसी प्रकार पहले सड़कों की बुरी हालत थी लेकिन अब हरियाणा में सड़कों का जाल बिछा हुआ है। जैसे मेरे क्षेत्र में 10 सड़कें हैं जिनमें से 5 बन चुकी हैं। जिनमें मिताथल से बडेसरा, बडेसरा से भैणीभरों, नाथुवास से बामला आदि सड़कें हैं। लेकिन मेरे विपक्ष के भाई कह रहे हैं कि भिवानी के साथ भेदभाव हो रहा है, आज के दिन पूरे हरियाणा प्रदेश में कहीं भी चले जायें वहां सड़कें बनाते रोडरोलर ही नजर आयेंगे। इसी तरह से भिवानी जिले में चांग से खरक तक की सड़क एक करोड़ रुपये की लागत से बनेगी। चौधरी बंसी लाल जी ने तो अपने तीन साल के शासन काल के दौरान भिवानी में एक भी विकास का कार्य नहीं किया। लेकिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने अपने सवा साल के कार्यकाल के दौरान ही वहां पर काफी विकास कार्य कर दिये। आज हरियाणा प्रदेश के अंदर चारों तरफ विकास ही विकास हो रहा है। जहां तक शिक्षा के क्षेत्र की बात है, मेरे हल्के में काफी स्कूल अपग्रेड किये गये हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री जी जो नई शिक्षा पोलिसी शुरू करने जा रहे हैं, पुराने ढर्रे को बदलना चाहते हैं उसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। इस बारे में चौटाला साहब का विचार है कि नई शिक्षा नीति के तहत गांवों के बच्चे भी अच्छी शिक्षा ग्रहण करेंगे और शिक्षा के क्षेत्र में वे अपने आपको कमजोर महसूस नहीं करेंगे तथा कंपीटीशन के युग में सबका मुकाबला कर सकेंगे, यह बहुत अच्छी बात है। इस नीति के तहत पहली कक्षा से ही बच्चों को सरकारी स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाई जायेगी। आज का युग कम्प्यूटर का युग है हमारी सरकार की कोशिश है कि कम्प्यूटर की शिक्षा को हर क्षेत्र में लागू किया जाये, स्कूलों में भी लागू किया जाये जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी और इससे नई शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रान्ति का सूत्रपात होगा। ऐसा होने से प्रदेश का विकास भी ज्यादा होगा। पंचायती राज को विशेष अधिकार देकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने बहुत अच्छा कार्य किया है। गांधी जी का सपना था कि पंचायतों को ज्यादा अधिकार दिए जायें। उनका कहना था कि भारत गांवों में बसता है और भारत का विकास तभी होगा जब गांवों का विकास होगा और गांवों का विकास तभी होगा जब पंचायतों को विशेष अधिकार दिए जायेंगे। ग्राम समितियों का गठन करके, उनमें हर वर्ग के प्रतिनिधि को शामिल करके चौटाला साहब ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया है, ग्राम समिति के अंदर हरिजन, महिला और फौजी सभी को शामिल किया गया है। ऐसा होने से सभी लोग विकास कार्यों में रुचि लेंगे और गांवों का विकास जल्दी होगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई कहते हैं कि ग्राम समितियों में सरकार अपने ही आदमी एडजस्ट कर रही है इस बारे में मैं उनको कहना चाहूंगा कि जनता ने ग्राम पंचायत, जिला परिषद् के चेयरमैन और समितियों के चेयरमैन इनेलो सरकार की लोकप्रियता के कारण ही चुने हैं, मैं भी भिवानी पंचायत समिति का चेयरमैन रहा हूं। पहले पंचायत के पास 25 हजार रुपये खर्च करने का अधिकार नहीं होता था लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी ने अब पंचायतों को 1.25 लाख रुपये खर्च करने का अधिकार दे दिया है और जिला परिषद् को 5 लाख रुपये तक के अधिकार दे दिये हैं यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री जी ने डैमोक्रेटिक सिस्टम को सुदृढ़ बनाने के लिए जन-समितियों को ये अधिकार दिये हैं जो बहुत अच्छा कदम है। पहले कैटल फेयर फंड का 20 प्रतिशत हिस्सा सरकार के खजाने में जमा होता था अब यह पैसा जिला समितियों में ही जमा हुआ करेगा और इस पैसे को वे पशुओं का अस्पताल बनाने में या दूसरे विकास के कार्यों में यूज कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक उद्योग धंधों का सवाल है, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में हरियाणा से उद्योग

प्लायन कर रहे थे और यहां शराब माफिया सक्रिय हो गये थे लेकिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी द्वारा सत्ता संभालते ही दिल्ली से ठप्प हुए 800 उद्योग हरियाणा में लगाने का उन्होंने अच्छा निर्णय लिया है। अभी थोड़े दिन पहले चौटाला साहब विदेश गये थे वहां पर होंडा और सुजुकी जैसी कम्पनियों से 1100 करोड़ रुपये हरियाणा में निवेश करने की बात करने के बारे में बातचीत करके आए हैं, यह बहुत अच्छी बात है। आज हरियाणा से और देश के दूसरे भागों से भी विदेश में गये लोग हरियाणा में निवेश करना चाहते हैं, यह हमारे लिए बहुत ही अच्छी बात है। क्योंकि सबको पता है कि आज के दिन हरियाणा प्रदेश उद्योग लगाने के लिए बहुत ही उपयोगी जगह है यहां किसी तरह की कमी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा प्रदेश में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में इनेलो की सरकार बनी है तब से हमारे मुख्यमंत्री जी की एक ही सोच है कि हरियाणा की एक इंच भूमि भी प्यासी न रहे और उसी के अनुरूप चाहे प्राकृतिक आपदा भी रही हो, यह बात सही है कि पिछले 7 सालों से भाखड़ा डैम के पानी का लैवल काफी कम रहा है। उसके बावजूद भी उनकी सोच है कि नहरों की टेल तक पानी पहुंचे जो कि हमारे लिये गौरव की बात है पिछले दिनों जो मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई थी उसमें हमारे मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को बखूबी समझाने में कामयाब रहे कि हरियाणा प्रदेश का जो रावी-व्यास का पानी है वह पाकिस्तान में बेकार जा रहा है, उसके बारे में प्रधानमंत्री ने भी खुद कहा कि यह पानी खराब हो रहा है।

श्री अध्यक्ष : परमार जी, अब आप वाईंड अप करें।

श्री शशि रंजन परमार : अध्यक्ष महोदय, कुरुक्षेत्र की रैली में प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया और हमारे मुख्यमंत्री जी से इस संबंध में पहल करने के लिये बोला है। हमें उम्मीद है कि आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में इस समस्या का निदान होगा और मुख्यमंत्री जी हरियाणा प्रदेश की एक-एक इंच भूमि को पानी दिला पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, अब स्पोर्ट्स की बात आती है। खेलों को बढ़ावा देने के लिये हरियाणा प्रदेश की सरकार प्रयासरत है उसी के अनुरूप स्पोर्ट्स नर्सरीज़ बनाई गई हैं। साढ़े आठ करोड़ रुपये स्पोर्ट्स कम्पलैक्स, फरीदाबाद पर खर्च किये गये। इसी तरह गुड़गांव और अम्बाला में भी करोड़ों रुपये खर्च करके हाकी के लिये एस्ट्रोटर्फ बनाये जा रहे हैं। इसके अलावा हमारे स्पोर्ट्समैन को नौकरियों में भी 3 परसैंट का अलग से कोटा दिया जा रहा है। जहां तक पुलिस भर्ती की बात है, तो जब 1996 में चौधरी बंसी लाल की सरकार आई तो हमारे नौजवानों को उनसे बड़ी भारी उम्मीद थी कि उन्हें नौकरियां मिलेंगी। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही एक आर्डर जारी करके नौकरियों पर बैन लगा दिया जिसका कारण उन्होंने आर्थिक तंगी बताया। जैसे ही चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में सरकार बनी तो लाखों नौजवान साथियों को रोजगार के साधन मुहैया कराये गये। पुलिस भर्ती हुई जिसमें 1600 पुलिस कर्मी भर्ती किये गये। इस बात को हमारे विरोधी पक्ष के भाई भी मानते हैं कि भर्ती के दौरान कितनी पारदर्शिता बरती गई है। लोग थैलियां लेकर घूमते रहे लेकिन उनसे थैलियां पकड़ने वाला कोई नहीं था।

श्री अध्यक्ष : परमार जी, आप जल्दी वाईंड अप करें।

श्री शशि रंजन परमार : अध्यक्ष महोदय, योग्य और कर्मठ लड़कों का निष्पक्ष चयन किया गया है। इसी तरह से चाहे जे0 बी0 टी0 अध्यापकों की भर्ती हो या दूसरे पदों की भर्ती हो, मैरिट के आधार पर योग्यतानुसार निष्पक्ष भर्ती हुई है। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं हरियाणा प्रदेश

[श्री शशि रंजन परमार]

की जनता की भावना के सम्बन्ध में भी कहना चाहूंगा। गुजरात में जो भूकम्प की भीषण त्रासदी हुई उससे निपटने में जहां हरियाणा प्रदेश की सरकार इस बात के लिये बधाई की पात्र है वहां प्रदेश की जनता का सहयोग भी सराहनीय है। विशेषकर, स्पीकर साहब, आपकी अध्यक्षता में गुजरात में कमेटी गई थी और जिस तरह से हरियाणा प्रदेश के लोगों और प्रदेश की सरकार ने भूकम्प पीड़ितों की मदद करके वाह-वाही लूटी वह काबिले तारीफ है। स्वयं प्रधानमंत्री कुरुक्षेत्र की रैली में इस बात की तारीफ करके गये हैं कि हरियाणा प्रदेश की सरकार का गुजरात के भूकम्प राहत कार्यों में एक अहम रोल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा कुछ न कहते हुये दोबारा से महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूँ। जय हिन्द।

श्री अध्यक्ष : कांग्रेस पार्टी की तरफ से और कोई सदस्य बोलना चाहे तो बोल सकता है। भजन लाल जी, आप दोबारा से बोलना चाहें तो बोल सकते हैं। (शोर)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, सदन का समय है, इनको बोलना चाहिये और बोलना पड़ेगा। (शोर) हम इस बात के लिये वचनबद्ध हैं कि सबको बोलने का पूरा समय देंगे। (शोर) कल भी ये भाग गये और आज भी ये उठ-उठ कर बाथरूम में छुप जाते हैं। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जनता द्वारा चुने हुए नुमायंदे हैं। ये थानेदार नहीं हैं कि हमारे से ऐसे व्यवहार करें जैसे पुलिस चोरों के साथ करती है। (शोर) जो मैम्बर आज बोलना चाहेगा वह बोलेगा और जो नहीं बोलना चाहेगा वह नहीं बोलेगा । (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये कैसे नहीं बोलेंगे। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कुछ मैम्बर्ज बजट पर भी बोलेंगे । (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वो तो आपकी मर्जी है कि बजट पर किसको और कितना समय बोलने के लिये दें। इनकी मर्जी थोड़ी चलेगी। (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी आप कृपा करके बैठ जाएं। इस समय गवर्नर साहब के एड्रैस पर बहस चल रही है। मैं चाहता हूं कि सभी माननीय सदस्यों को गवर्नर साहब के एड्रैस पर बोलने का मौका मिले। (शोर) अब श्री बलबीर पाल शाह बोलेंगे।

एक आवाज : स्पीकर साहब, वे सदन में नहीं हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य चन्द्र मोहन भी सदन में नहीं हैं। मांगे राम गुप्ता जी बोलना नहीं चाहते। ओम प्रकाश जिंदल भी हाऊस में नहीं हैं। (शोर) चौधरी भजन लाल जी अगर आपकी पार्टी का कोई मैम्बर नहीं बोला तो वह बोल ले। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के जिन-जिन माननीय सदस्यों को राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना था वे बोल चुके हैं, बाकी सदस्य जो राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर नहीं बोले हैं वे बजट पर बोलेंगे।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह) : स्पीकर साहब, जिस ढंग से आपने माननीय सदस्यों को गवर्नर साहब के एड्रैस पर बोलने के लिए खुले मन से समय दिया उसके लिए हम आपके शुक्रगुजार हैं। आपने अपोजिशन वालों को यह भी कह दिया कि गवर्नर साहब के एड्रैस पर बोलने के लिए आपका कोई मैम्बर बाकी बचा हो तो वह भी बोल ले। पार्लियामैंट या किसी स्टेट असैम्बली में ऐसा कभी नहीं हुआ कि स्पीकर साहब अपोजिशन वालों को यह कहें कि जो भी मैम्बर बोलना चाहे वह बोले और उधर से कह रहे हैं कि नहीं नहीं, उन्हें नहीं बोलना। जिस समय कांग्रेस पार्टी की सरकार होती थी उस समय हमें बोलने नहीं दिया जाता था। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने अपनी मीटिंग करके यह फैसला किया था कि हमारी पार्टी के कितने मैम्बर राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलेंगे और कितने बजट पर बोलेंगे। हमारी पार्टी के जिन-जिन माननीय सदस्यों को राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना था वे बोल चुके हैं और उनको बोलने के लिए आपने समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। हमारी पार्टी के बाकी माननीय सदस्य बजट पर बोलेंगे। (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी यदि आप सारे गवर्नर एड्रैस पर बोल लेते तो क्या मैं आपको बजट पर बोलने के लिए समय नहीं देता, यह आपने कैसे सोच लिया ? अब तो गवर्नर एड्रैस पर बोलने का मौका है इसलिए आप अपनी पार्टी के मैम्बर्ज को इस पर बोलने के लिए कहें। आपको बजट पर बोलने का मौका भी दिया जाएगा। अब मैं आपकी पार्टी के जिन मैम्बर को बोलने के लिए काल करता हूँ वह या तो हाऊस में नहीं है या वे बोलना नहीं चाहते। (शोर)

श्री भजन लाल : वे सदन से बाहर इसलिए चले गए कि वे बजट पर बोलेंगे। (शोर)

प्रो0 सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौ0 भजन लाल जी कल भी कह रहे थे कि वे चले गए लेकिन बाद में वे सारे के सारे बाथरूम से निकल कर यहां आ गए। आज भी ये कह रहे हैं कि वे चले गए। मैं कहता हूं कि वे चले नहीं गए कल की तरह यहीं होंगे। (शोर)

श्री भजन लाल : हमारी पार्टी के जिन माननीय सदस्यों को बजट पर बोलना है वे चले गए हैं और जिनको राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना था वे बोल चुके हैं। (शोर)

प्रो0 सम्पत सिंह : मैं पूछ रहा हूं कि क्या आपकी तरफ से अब किसी सदस्य को बोलना है या नहीं। (शोर)

श्री भजन लाल : मैंने आपको बता दिया है कि हमारी पार्टी के जिन माननीय सदस्यों को राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना था वे बोल चुके बाकी बजट पर बोलेंगे।

श्री कपूर चन्द शर्मा (शाहबाद) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं। इस वर्ष के प्रथम माह में 26 जनवरी को गुजरात में भूकम्प आया, उसमें बड़ी भारी जनसंख्या का मृत्यु काण्ड हुआ। वहां पर भूकम्प के कारण अनेकों बच्चे अनाथ हो गए, अनेकों बहनें विधवा हो गई। अनेकों माताओं के लाल मौत के मुंह में चले गए। वहां पर असंख्य जानों की हानि हुई। वहां जनसंख्या की जो हानि हुई है उसके जो आंकड़े आ रहे हैं वे बहुत ही कम हैं। वहां पर जितना नुक्सान हुआ बताया जा रहा है उससे भी ज्यादा नुक्सान हुआ है। इस अवसर पर हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने वहां पर जो मदद का योगदान दिया है वह बहुत ही सराहनीय

[श्री कपूर चन्द शर्मा]

है। गुजरात के रापड़ तॉलुका के 19 गांव अपने जिम्मे ले करके उनके पालन-पोषण की जिम्मेवारी हरियाणा सरकार ने ली है। यह कोई मामूली बात नहीं है। हरियाणा प्रदेश की सभी धार्मिक संस्थाओं ने, इण्डियन नेशनल लोक दल व बी0 जे0 पी0 ने व दूसरी कई सामाजिक संस्थाओं ने गुजरात के भूकम्प पीड़ित लोगों की सहायता करने के लिए बढ़ चढ़ कर अपना योगदान दिया है। हरियाणा सरकार के कई मंत्री और दूसरी सामाजिक स्वयं सेवी संस्थाएँ मौके पर पहुंची हैं और उन पीड़ित लोगों की अधिक से अधिक मदद करने की कोशिश की है और राहत सामग्री पहुंचाई है। यह राहत सामग्री उनकी इच्छानुसार वहां के लोगों को दी गई है। इसका सारा श्रेय हमारे मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को जाता है। इसके लिए जितनी इनकी सराहना की जाये वह कम है।

अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जितने विकास के कार्य किए हैं उनको विपक्ष के भाई सहन नहीं कर पा रहे। इनको इस सरकार द्वारा किये गये कार्यों का दुःख हो रहा है। इनको तो दुःख हो रहा है लेकिन सरकार द्वारा किये गये कार्यों को जनता पसंद कर रही है। अध्यक्ष महोदय, 23 नवम्बर, 99 को शाहबाद में खुला दरबार लगा था जिसमें मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी गये थे। उस समय ये वहां पर जितनी भी घोषणाएं करके आये थे तकरीबन सभी की सभी पूरी हो चुकी हैं। जब हम चुनाव के दौरान गांव-गांव गये तो वहां पर देखा गया कि कहीं पर हरिजनों की चौपालों का तो कहीं पर बाल्मिकी चौपालों का कार्य चल रहा है। कहीं पर पानी की निकासी का काम हो रहा था, तो कहीं पर सड़कें बनायी जा रही थी। इसी प्रकार बहुत सारे प्रगति के कामों पर कार्य हो रहा था। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत यह सरकार जो कार्य कर रही है उसकी जितनी भी सराहना की जाये वह कम है। इस सारे काम के लिए बी0 जे0 पी0 व इण्डियन नेशनल लोकदल की गठबंधन सरकार को श्रेय जाता है। इस सरकार ने थोड़े से अरसे में ऐसा काम करके दिखा दिया जिसे 40 वर्ष से कांग्रेस की सरकार नहीं कर पायी थी। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये भाई बीच में बोल रहे हैं। मुझे इनके बारे में एक दृष्टांत याद आ गया। आप सभी को पता है कि पहले सती की प्रथा थी। जब राजा-महाराजा लड़ाई पर जाते थे और मारे जाते थे तो उनकी रानियां सती हो जाती थीं। वे सती अपनी आन-बान-शान के कारण होती थीं। इसी प्रकार से एक बार वहां सतियों का एक मेला लगा हुआ था। वहां पर बच्चे खुशी से बांसुरी आदि खरीद रहे थे। वहां पर जलेला नाम की एक औरत भी रहती थी। जब मेले से लोग/महिलाएं आ रही थीं तो जलेला पूछने लगी कि ये औरतें कहां से आ रही हैं तो उसे बताया गया कि ये सभी सती के मेले से आ रही हैं। उस जलेला से किसी की खुशी या प्यार नहीं देखा जाता था। वह कहने लगी कि ये सती क्यों होती हैं तो उसे बताया गया कि जब इनके पति शहीद हो जाते हैं तो ये भी अपनी आन-बान-शान के लिए सती हो जाती हैं। इस पर वह कहने लगी कि ये तो एक बार सती होती हैं जबकि मैं दिन में 36 बार सती होती हूं। यानि कहने का मतलब यह है कि जिस प्रकार से उस जलेला से किसी की खुशी नहीं देखी जाती थी उसी प्रकार से हमारे इन विरोधी भाइयों को इस प्रकार सरकार के किए गये विकास के कार्य खुशी से नहीं देखे जा रहे। (शोर एवं विघ्न) चौधरी भजन लाल जी पहले आप भी हमारे ही साथ थे, बाद में आप फिर कांग्रेस में चले गए। हमने जो सीख सीखी है वह आपसे ही सीखी है।

हमारा हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है इस बात को ध्यान में रखते हुए कृषि नीति को बनाया और कृषि नीति के तहत जमीदारों के लिए क्रेडिट कार्ड बनाने का काम शुरू

किया गया और काफी कार्ड बन चुके हैं। इन कार्डों से जमींदारों को बड़ा भारी लाभ है। उस कार्ड के माध्यम से बैंक से लोन ले सकते हैं। इतना ही नहीं अपनी फसल को वेयर हाउस में रख कर वहां से भी पैसा ले सकते हैं और आढ़तियों के ब्याज से बच सकते हैं क्योंकि वेयर हाउस से कम ब्याज पर उनको अपना पैसा मिलेगा। अपना पैसा होगा, अपनी चीज होगी और अपना काम होगा। यह छोटी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इतनी ही बात नहीं है। हम कार खरीदते हैं तो उसका बीमा करवाते हैं, हम बस खरीदते हैं, तो उसका बीमा करवाते हैं, हम स्कूटर खरीदते हैं तो उसका बीमा करवाते हैं, कोई फैक्टरी लगाते हैं तो उसका बीमा करवाते हैं, कोई इण्डस्ट्री लगाते हैं तो उसका बीमा करवाते हैं किन्तु जमींदार की फसल जो नीले आसमान के नीचे हरी-भरी खड़ी है जो कि जमींदार की एक साल की मेहनत है उसका बीमा नहीं करवाते। अरे भाई यदि भगवान की कुदृष्टि हो जाए और औलावृष्टि हो जाए, तीव्र वर्षा हो जाए या तीव्र हवा चले तो उससे जमीदार का बड़ा भारी नुक्सान होता है। जमींदार उस नुक्सान को बर्दाश्त नहीं कर सकता है क्योंकि सालभर उसको आशा लगी हुई होती है कि मेरी फसल आएगी तो मैं घर के काम करूंगा और साथ ही लड़की की शादी करूंगा किन्तु अगर उसकी फसल ठीक न हो तो उसकी सारी आशाएं धरी-धराई रह जाती हैं। इसके लिए हमारी सरकार ने हमारे प्रदेश में फसल बीमा योजना लागू की है जो कि अत्यन्त प्रशंसनीय और सराहनीय है। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा प्रणाली के विषय पर मेरे से पूर्व वक्ताओं ने बहुत कुछ कहा और विस्तार से कहा। शिक्षा एक ऐसी चीज है जिसके ऊपर हमारा पूरा ध्यान होना चाहिये। शिक्षा के बारे में यह कहा गया है कि -

रूप यौवन सम्पन्ना, विशालकुल सम्भवः
विद्याहीन न सोभन्ती निर्गन्ध निकुंचकः

मतलब यह है कि बिना विद्या के मनुष्य शोभा नहीं देता है कितनी भी धूल में बच्चा रहे, कितना ही सुन्दर हो, कितना ही बलवान हो, कितना ही योद्धा हो लेकिन विद्या के बिना उसकी कोई कदर नहीं होती है। इसलिये विद्या की ओर ध्यान देना नितान्त आवश्यक है। शास्त्रों में भी लिखा है :

न स्वर्ण दानम न चन्द्र दानम, न रौप्य दानम न रहत दानम
सर्व दानम सो विद्या दानम

अर्थात् सबसे बड़ा दान विद्या का दान है। स्कूलों के माध्यम से जो कमियां हैं वो हमें दूर करनी चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है कि प्रत्येक स्कूल में पूरा स्टाफ और अध्यापक होने चाहिएं और हर विषय पर ध्यान दीजिए। पढ़ाई के साथ ही कई खामियां भी आ गई हैं। हमारे देश में जब लोग अनपढ़ थे तो लोगों में चरित्र था। आज जितनी विद्या बढ़ रही है उतना ही चरित्र समाप्त होता जा रहा है। हम आज प्रदूषण की तरफ ध्यान दे रहे हैं लेकिन हमारे समाज में जो प्रदूषण आ रहा है उसकी ओर हमारा कोई ध्यान नहीं है कि दिन प्रति दिन हमारा पतन क्यों होता जा रहा है, चरित्र हीनता इसका कारण है। इस ओर भी हमें ध्यान देना चाहिए और शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को चरित्रवान बनाने का कार्य हम कर सकते हैं और समाज में एक जागृति ला सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, जिला कुरुक्षेत्र हरियाणा के सब जिलों में अन्न के उत्पादन में सबसे अग्रसर है। हमारे यहां इतना अनाज पैदा होता है कि अनाज रखने के लिये हमारे पास भण्डारों की कमी हो रही है। हमारे भाई कहते हैं कि बिजली नहीं है, पानी नहीं है किन्तु इस वर्ष इतना अन्न पैदा हुआ कि हमारे पास रखने के लिए भण्डार नहीं हैं जहां हम उस अन्न को रख सके।

[श्री कपूर चन्द शर्मा]

कृषि प्रधान देश होने के नाते सरकार का कृषि की ओर विशेष ध्यान है और दिन-प्रति दिन हमारी कृषि पैदावार बढ़ती जा रही है तथा इसमें हम सफल हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैंने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को पढ़ा है और मेरा सुझाव है कि जो बिजली जमींदारों को फिक्स रेट पर दे रहे हैं वैसे तो वह ठीक है अगर मीटर लगा देंगे तो हमारे जमींदार बिजली का खर्चा बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे और क्षीण हो जाएंगे इसमें थोड़े सुधार की आवश्यकता है। मेरा सुझाव है कि जहां तक हो सके इसमें सुधार किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं अपने क्षेत्र की समस्याएं यहां हाऊस में रखना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी आप शार्ट में बोलें और दो मिनट में कन्कलूड करें।

श्री कपूर चन्द शर्मा : अध्यक्ष महोदय, शाहबाद क्षेत्र डिस्ट्रिक्ट कुरुक्षेत्र में पड़ता है। इसमें लगभग 23 गांव बाढ़ ग्रस्त हैं। प्रति वर्ष वर्षा के दिनों में इन गांवों में जानमाल का काफी नुक्सान होता है। ये गांव लण्डी, दऊ माजरा, कलयाणी, गरपुर, मोरीपुर, हल्थांइड़ी, भूकरमाजरा, महन माजरा, सुलखनी, रायपुर, महर माजरा और असनी माजरा है। अगर वहां पर बांध बन्द रहता है तो ये गांव डूबते हैं और अगर बांध को खोलते हैं तो ढोर, बसंतपुर, बिजड़पुर, मनफरी, ढौला माजरा, अचवर, बावकपुर और शान्ति नगर डूबते हैं। इस बारे में मैं पहले भी दो तीन बार कह चुका हूं। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वर्षा के सीजन से पहले इस बारे में कोई प्रबन्ध करें। अध्यक्ष महोदय, वहां पर एक जनसूई ड्रेन है उसको साफ करवा कर वहां का पानी जनसूई हैड में डाल दें तो उन इलाकों को बाढ़ से बचाया जा सकता है। इसके अलावा शाहबाद में गन्दे पानी की भी समस्या है। वहां से गन्दे पानी की निकासी होनी आवश्यक है। वहां के गांव गन्दे पानी से बुरी तरह ग्रस्त हैं। वहां पर 1300 फीट नाला तो बन चुका है और 2000 फीट नाला बनने से रह गया है। मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि बरसात के आने से पहले इस काम को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए इस बारे में मुख्यमंत्री जी ने भी आश्वासन दिया हुआ है कि यह जल्दी बन जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मौढ़ी ग्राम है जहां से जिला कुरुक्षेत्र आरम्भ होता है, समालखा से लेकर छोड़पुर तक का दो किलोमीटर का ही फासला है लेकिन वहां पर जाने के लिए आठ किलोमीटर होकर जाना पड़ता है। अगर दो किलोमीटर सड़क का टुकड़ा बन जाए तो लोगों का वहां पर जाने के लिए काफी समय बच जाएगा। इसके अलावा मौढ़ी गांव के पास पुल बन जाए तो वहां पर भी बच्चों को काफी सुविधा होगी। अध्यक्ष महोदय, शेरगढ़ और टबड़ा दोनों एक ही पंचायत में हैं। शेरगढ़ से टबड़ा जाने के लिए 12 किलोमीटर होकर जाना पड़ता है लेकिन इनके बीच में दो किलोमीटर का टुकड़ा है और अगर इस दो किलोमीटर के टुकड़े पर सड़क बन जाए तो वहां पर पहुंचने के लिए रास्ते में काफी फर्क पड़ेगा। मेरा एक बार फिर मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि इन सबका जल्दी से जल्दी समाधान करें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : श्री रघुबीर सिंह कादयान जी अब आप बोलें और अपनी स्पीच को 10 मिनट में कन्कलूड करें।

डॉ0 रघुबीर सिंह कादयान (बेरी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैंने इससे पहले भी कई बार बीच-बीच में बोलने की कोशिश की और आपसे

प्वायंट आप आर्डर पर भी बोलने की इजाजत मांगी लेकिन आपने मुझे परमिशन नहीं दी। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि आज सुबह से जिस ढंग से यह सदन चल रहा है अगर कोई मैम्बर बोल रहा होता है तो लोग बैठे-बैठे रनिंग कमैंट्री देते हैं। सदन के नेता भी बैठे-बैठे कमैन्टस दे रहे हैं। मेरी मंशा किसी की आत्मा को दुखाने की नहीं है लेकिन जिस ढंग से सदन चलना चाहिये वह शायद नहीं चल पा रहा है। स्पीकर सर, आपकी काबलियत चारों तरफ बढ़िया है और आपका हाउस चलाने का तरीका भी बढ़िया है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहूंगा कि इन बातों से सदन का समय नष्ट होता है। यहां पर 90 के 90 विधायक अपनी काबलियत से जीतकर आए हैं ऐसा नहीं है कि किसी पार्टी की वजह से वह जीत कर आए हैं। अगर ऐसा होता तो एक ही पार्टी के सारे विधायक चुनकर आ जाते । लेकिन ऐसा नहीं है। इनमें से कुछ की अपनी काबलियत है, कुछ का अपना जनाधार है इसलिए ये लोग अपने रसूक से, अपने हिसाब से यहां चुनकर पहुंचे हैं। स्पीकर सर, मेरी आपसे एक प्रार्थना है कि इस सदन के हमारे सभी सम्मानित साथी इस बात का ध्यान रखें कि वे एक-दूसरे की जरुरत का भी ध्यान रखें। अगर ऐसा होगा तो इससे सदन का समय भी बच जाएगा और ठीक सुझाव भी सदन में आ सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि कांस्टीच्यूशनल ओबलिगेशन के कारण राज्यपाल जी ने अपना अभिभाषण यहां पर पढ़ा। ये रुल्ज भी हैं कि उस समय सभी मैम्बर्ज को चुपचाप उनका अभिभाषण सुनना चाहिये वरना उनके खिलाफ कंटैम्प्ट भी आ सकता है। मैंने उस समय राज्यपाल जी से केवल इतना ही कहा था कि राज्यपाल जी, इस अभिभाषण में हरियाणा की सरकार ने कुछ ऐसी बातें लिखकर आपको पढ़ने के लिए दी हैं जो असत्य हैं। अब मैं आपको बताऊंगा कि यह असत्य बातें कौन सी हैं। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले इस अभिभाषण में सरकार ने कहा है कि गुजरात के लोगों का दिल उसने जीत लिया है और उसके राहत कार्यों में किए गए कार्यों के कारण उसकी भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है। यह मानवता का तकाजा भी है कि देश या प्रदेश में ऐसी तकलीफें या ऐसी नैचूरल क्लैमिटीज आएं तो सबका यह फर्ज बनता है और मोरल ड्यूटीज भी बनती है कि ऐसी आपदाओं के समय, ऐसी तकलीफों के समय वे सब मदद करें। उस संकट में हमारी सरकार की तरफ से भी मदद हुई यह ठीक है कि यह बढ़िया हुआ। स्पीकर सर, आप भी वहां पर गये थे और आपने भी वहां पर सारा कुछ देखा । इस अभिभाषण में कहीं पर भी एक जगह यह मैंशन नहीं किया गया है कि कितनी सामाजिक संस्थाओं ने इस गुजरात की आपदा के समय सरकार की मदद की या गुजरात के लोगों की मदद की और कितना पैसा कहां से आया, कितनी सामाजिक संस्थाओं ने इसमें कंट्रीब्यूट किया ? अध्यक्ष महोदय, ऐसे -ऐसे भी गरीब लोगों ने अपनी जेब से पैसे निकालकर दिए हैं जिनके पास अपने बच्चों की स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। परन्तु उनका कहीं पर भी जिक्र नहीं किया गया है। इसके अलावा मैं आपके माध्यम से अर्ज करना चाहूंगा कि अभिभाषण में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के बारे में भी कहा गया है। 'सरकार आपके द्वार' जो कार्यक्रम है पता नहीं इसका मकसद क्या है ? मैं इस विषय में एक ही बात कहना चाहूंगा कि हरियाणा की सरकार अगर पीने के पानी की समस्या, खेती के पानी की समस्या, रोडज की समस्या और बिजली की समस्या यानी इन चार समस्याओं को यहां चंडीगढ़ में हल कर दें तो 95 फीसदी समस्याएं हमारे इस प्रदेश की दूर हो जाएंगी।

मेरे हल्के में बिजली की, दूसरी नहरी पानी की और तीसरी पीने के पानी की समस्या है। स्पीकर साहब, मैं आपसे अर्ज करूं कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम पर कितना खर्च लगता है, कितना टी0 ए0 बनता है और इसमें कितनी सक्सेस है इन सभी बातों को देखना चाहिए मैं

[डॉ0 रघुबीर सिंह कादयान]

आपको 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के बारे में बताऊं। मेरे हल्के में इस प्रोग्राम में जितने वायदे हुए थे उसमें से 20 फीसदी वायदे भी पूरे नहीं हुए। मुख्यमंत्री जी चाहें तो रिकार्ड देख लें। मैं यह बात विधान सभा में कह रहा हूं और बड़ी जिम्मेदारी के साथ यह बात कह रहा हूं। जब इन्होंने दूसरी बार 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की डेट तय की होगी अब डी0 सी0 और एस0 पी0 के पास चिट्ठी जा रही हैं कि कौन सी मांग पूरी नहीं हुई हैं, उनके ऊपर काम हो। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने अर्ज करूं कि कंक्रीट नोट इस बारे में तैयार किया जाए कि सरकार का कितना पैसा खर्च हो रहा है और कितनी मांगे मानी जा रही हैं और जो मांगे पूरी हो रही हैं वह यहां रह कर पूरी हो सकती हैं या नहीं ?

डॉ0 बिशन लाल सैनी : अध्यक्ष महोदय मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है । मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से जानना चाहता हूं कि यहां बार बार 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का जिक्र हो रहा है। इनकी पार्टी की तरफ से एक प्रोग्राम चलाया गया था 'विपक्ष आपके समक्ष'। उस प्रोग्राम के तहत इनकी पार्टी के अध्यक्ष 6 तारीख को झज्जर में गए तो वहां पर एक समस्या भी ले कर उनके सामने कोई नहीं आया।

डॉ0 रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर सर, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में एग्रीकल्चर के बारे में चर्चा हुई थी और यहां पर बड़ी देर से इस बात की भी चर्चा हो रही है कि यह सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। कई तरह के ध्यान आये और सदन में भी चर्चा हुई तो मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि जैसा उन्होंने कहा कि जीरी की प्रिक्योरमैंट 60 हजार टन हुई और पिछली सरकार के समय में टोटल 43 हजार टन की हुई थी तो उस समय तो प्रिक्योरमैंट ऐजेंसीज थी नहीं क्योंकि मार्किट में पैडी का भाव ज्यादा था, खरीदने वाले ज्यादा थे (विघ्न) वित्त मंत्री जी, आप बड़े समझदार आदमी हैं, काबिल आदमी हैं लेकिन आपकी ऐसपिरेशंज दबी पड़ी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज कर रहा था कि सदन के नेता ने जैसा कहा इसमें कोई दो राय नहीं है कि किसान को समर्थन मूल्य से नीचे बेचने के लिये मजबूर होना पड़ा था। जब प्रिक्योरमैंट ऐजेंसीज ने ढेरी को सब स्टैंडर्ड कह कर या मॉइस्चर कह कर या कोई और कारण बताकर कैंसिल कर दिया और जब शाम हो गई तो क्योंकि किसान दूसरे दिन के लिए रुक नहीं सकता था इसलिए उस ढेरी को कम मूल्य पर बेचने के लिए वह मजबूर हो गया, मैं ऐलीगेशन नहीं लगा रहा हूं हो सकता है कि आपकी सरकार इतनी ऐजैंसीज नहीं लगा पाई होगी। मैं इसलिए यह बात कह रहा हूं कि आप कहते हैं कि हम फेस करेंगे। अपने रसूख और काबलियत के कारण आप यहां बैठे हैं। जैसा आपने कहा कि टैक्स फ्री बजट है, टैक्स फ्री बजट तो ठीक था लेकिन उसके बाद टैक्स लगाये और जिस ढंग से जनता की पीठ पर वार हुआ उसको माननीय मुख्यमंत्री जी को मानना पड़ेगा क्योंकि जो सही बात है वह तो सही ही है। ऐसी हालत में जो सिच्यूएशन हुई है उसे आपको फेस करना पड़ेगा। **Face the facts squarely otherwise, the facts will stab in the back** यह तो चाहे आपकी सरकार हो या हमारी, सबको इस बात का सामना करना पड़ेगा। मोटे तौर पर इस बात को यहां मानना चाहिये कि किसान की जीरी जो पिटी है इसके बारे में हमारे साथी इस बात को जानते हैं कि जीरी चाहे सब स्टैण्डर्ड के नाम से पिटी हो या दूसरे नाम से परन्तु यह बात सही है कि जीरी में किसानों की पिटाई हुई है। यह ठीक है कि जिस ढंग से गेहूं की प्रोक्योर्मेंट हुई वह कुछ निश्चित समय तक सही समर्थन मूल्य

से गेहूं की खरीद हुई। लेकिन राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में गेहूं के समर्थन मूल्य की चर्चा नहीं है। कोई भी मिनीमम स्पोर्ट प्राइस की बात नहीं की गई है। मैंने इस बारे में एक रेजोल्यूशन भी दिया था। वह रेजोल्यूशन इसलिए टल गया क्योंकि उस दिन को आपने आफिशियल दिन में कंवर्ट कर दिया और गेहूं की मिनीमम स्पोर्ट प्राइस बट्टे खाते में चली गई।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी भजन लाल जी ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किये थे बी0 ए0 सी0 की मीटिंग में।

श्री भजनलाल : जवाब तो सुन लें क्या इनका रेजोल्यूशन आ सकता था।

डॉ0 रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात की रूलिंग चाहता हूं कि क्या इस सदन में कोई आदमी बैठकर बात कर सकता है या नहीं।

श्री अध्यक्ष : नहीं जी, नहीं कर सकता यह अशोभनीय है।

डॉ0 रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से कह रहा हूं कि एग्रीकल्चर प्राइस कमीशन की जो रिपोर्ट है (विघ्न)

सरदार निशान सिंह : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं इस बात के लिये माननीय साथी को थोड़ा सा बताना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी के सभी साथी सिर्फ एक बात को लेकर बोल रहे हैं कि धान की प्रोक्योर्मेंट नहीं हुई या धान की खरीद सही नहीं हुई। क्या चौधरी भजन लाल जी इनको यहीं पढ़ाकर लाये हैं कि इनको यही बात बोलनी है ?

स्पीकर सर, चाहे राजस्थान हो, चाहे पंजाब हो, चाहे दिल्ली हो या उत्तर प्रदेश हो इन सभी राज्यों से ज्यादा धान की खरीद हरियाणा प्रदेश में हुई है। इन सभी राज्यों से धान हरियाणा में आकर बिकी है क्योंकि यहां धान की खरीद इतने बढ़िया तरीके से कराई गई। इसके इलावा किसानों को भी इससे काफी लाभ हुआ है। स्पीकर सर, केन्द्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री जी ने खुद आकर माननीय मुख्यमंत्री जी को पैकेज दिया है। इस बात से राइस मिल मालिक भी खुशहाल हैं और किसान भी खुशहाल हैं।

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर सर, यह तो कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं था। इस सदन में 90 विधायक बैठे हुए हैं।

श्री अध्यक्ष : कादयान जी, आप पांच मिनट में कन्क्लूड कीजिये।

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है कि क्या कोई सदस्य अपने आप इस बात का फैसला कर सकता है कि यह प्वायंट ऑफ आर्डर है या नहीं ? इसका फैसला तो आप कर सकते हैं (शोर एवं व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सम्पत सिंह जी को कहना चाहता हूं कि ये कॉल एण्ड शकधर की किताब ले रहे थे। अब रूल्ज देखकर बताएं (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना नहीं चाहता हूं लेकिन डा0 साहब कह रहे हैं इसलिए मैं बता देता हूं। डा0 साहब पढ़े लिखे, पी0एच0डी0 और डा0 भी हैं।

[प्रो० सम्पत सिंह]
ये मर्यादा और कॉल एण्ड शकधर की किताब की बात करते हैं। जब महामहिम राज्यपाल महोदय अभिभाषण पढ़ रहे थे, उस समय इनकी मर्यादा कहां चली गई थी ? मैं इनको असैम्बली के रूल्ज पढ़कर सुना देता हूं। चैप्टर 5 में लिखा है- It is regarding Governor's Address and communication between Governor and Assembly. In Rule 17 it is mentioned—

"Observation of order during Governor's Address-No Member shall interrupt the Governor........"

श्री दरियाव सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये मर्यादा की बात करते हैं, जिस समय इनके खिलाफ हिसार में पंखे चोरी करने का केस दर्ज हुआ था, उस समय इनकी मर्यादा कहां गई थी ?

श्री जय प्रकाश बरवाला : * * * * *

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी जो कुछ कह रहे हैं रिकार्ड न किया जाये।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। इस हाउस का मजाक बनाया जा रहा है, राज्यपाल महोदय द्वारा अभिभाषण को पढ़े हुए तीन दिन हो गए हैं। ये उसी प्वायंट को लेकर खड़े हो जाते हैं और हाउस का समय खराब कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह तो हाउस के नेता की और स्पीकर साहब की जिन्दादिली है कि इनके मैम्बर ने हाऊस की अवहेलना की है उसके बावजूद भी वे हाउस में बैठे हुए हैं। इनकी सरकार के समय में तो हमें नेम कर दिया जाता था।

श्री अध्यक्ष : आप दोनों बैठें।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मर्यादा की बात की है, इसलिए मैं इन्हें रूल 17 फिर से पढ़कर सुना रहा हूं :-

It is mentioned in this Rule that -

> "No member shall interrupt the Governor when he is addressing the House; or display any placard; or shout any slogans; or make any protest; or raise any point of order, debate or discussion or otherwise wilfully disrupt the proceedings, immediately preceding or during or immediately following the Governor's Address under Article 175(1) of the Constiotution and the Governor's Special Address under Article 176(1) of the Constitution, and the commission of any of the above lapses shall be treated as contempt of the House and dealt with as such under these rules."

स्पीकर सर, डाक्टर कादयान जी ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समय जो इन्ट्रप्शन की है इससे फालतू और क्या होगा ? यह हाउस की कंटैम्प्ट बनती है। लेकिन स्पीकर साहब, आपकी दरियादिली है कि आपने इनके अगेंस्ट कोई भी एक्शन नहीं लिया। जबकि मेरे विपक्ष के भाई जिस समय सत्ता में थे उस समय ये हमें नेम करवा दिया करते थे लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे। जैसे मेरे विपक्ष के भाई प्रोवोक करते थे हम वैसा नहीं करेंगे। हम रूल्ज के हिसाब से हाउस को चला रहे हैं।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये तो सब जानते हैं कि रूल्ज के हिसाब से हाउस चल रहा है या नहीं।

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि यदि किसी को बहुमत मिल जाये तो उसका नाजायज फायदा नहीं उठाना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आप पांच मिनट में समाप्त करें।

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, प्रो0 सम्पत सिंह जी एक काबिल इंसान हैं, जिस समय इन्होंने राजनीति शुरु की थी उस समय इनके ड्राईंग रूम में रेत पड़ा होता था और अब इनके पास बड़ी-बड़ी कोठियां हैं।

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आप किसी की घरेलू बातें न करें और महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलें।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

डा0 रघुबीर सिंह कादयान द्वारा-

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन भी देना चाहूंगा। अभी माननीय सदस्य दरियाव सिंह जी ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से एक पंखा चोरी होने की बात उठाई। इस बारे में मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि इस हाउस को तो नहीं पता लेकिन प्रो0 संपत सिंह जी को तो पता है कि इस विश्वविद्यालय के लिए मैंने बहुत लड़ाई लड़ी है। जिस समय पंजाब और हरियाणा अलग-अलग हुए थे उस समय यह यूनिवर्सिटी इकट्ठी थी और इस यूनिवर्सिटी का फाईनैंस का मामला पंजाब के पास था और इसको बाईफ्रकेट करवाने के लिए मैंने बहुत संघर्ष किया। अध्यक्ष महोदय, इस यूनिवर्सिटी की नींव हमारे खून पर टिकी हुई है। इस यूनिवर्सिटी को बाईफ्रकेट करने की लड़ाई लड़ते हुए मेरे सिर से खून की धार निकली थी। उस समय मैं इस यूनिवर्सिटी का तीन बार प्रधान रहा था। इस यूनिवर्सिटी के लिए यदि बड़ी से बड़ी कुर्बानी देनी पड़ी तो मैं देने के लिए तैयार हूं। दरियाव सिंह जी ने बात उठाई है मैं यह नहीं कहना चाहता कि यह बात कहां से आई।

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, प्लीज आप गवर्नर एड्रैस पर बोलें।

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर सर, पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर तो बोल ही सकता हूं। (शोर एवं व्यवधान) दरियाव सिंह जी कह रहे थे कि मेरे खिलाफ पंखा चुराने की एफ0 आई0 आर0 दर्ज हुई है इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि यदि मेरे खिलाफ कोई भी एफ0 आई0 आर0 आज तक दर्ज हुई हो तो मुझे यह सदन जो सजा देना चाहे दे सकता है। मैं कोई घड़ियों का या जूतों का सौदागर नहीं हूं कि मेरे खिलाफ एफ0 आई0 आर0 दर्ज हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आपका समय समाप्त हो गया है आप बैठ जायें।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर साहब, आप पहले रूलिंग पार्टी के माननीय सदस्यों को कहें

15.00 बजे | कि वे शांत रहें। (शोर)

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया है इसलिए मुझे बोलने दिया जाए। आप मेरी बात सुनें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आपको बोलते हुए बहुत समय हो गया है इसलिए अब आप बैठ जाएं। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को अपनी बात कंकल्यूड करने के लिए आप पांच मिनट का समय और दे दें। (शोर) ये माननीय सदस्य भी दो लाख लोगों के नुमायंदे हैं इनको अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : नहीं, उनका बोलने का समय समाप्त हो गया है। अब मांगे राम गुप्ता जी बोलेंगे। (शोर)

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, * * * * * (शोर)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के विपक्ष के नेता से विशेष रूप से एक बात कहूंगा कि अपोजिशन के माननीय सदस्यों को बोलने के लिए स्पीकर साहब ने बड़ी फिराखदिली से समय दिया है। शायद ऐसी मिसाल कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। सदन के सम्मानित सदस्य श्री कादयान जी 35 मिनट से लगातार बोल रहे हैं। इनके पास तथ्यों पर आधारित कोई बात कहने को नहीं है ये वैसे ही सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं। अगर इनके पास तथ्यों पर आधारित कोई बात है तो वह कहें लेकिन इनके पास ऐसी कोई बात कहने की नहीं है। आज मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर हुई बहस का उत्तर भी देना है। अब आपने दूसरे माननीय सदस्य को बोलने के लिए काल कर लिया है इसलिए उनको बोलने दिया जाए। कादयान जी पढ़े लिखे हैं, बुद्धिमान हैं, मगर उनको बुद्धिमानी से बदपरहेजी है तो हम क्या करें। (शोर)

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर साहब, * * * * * (शोर)

श्री अध्यक्ष : कादयान जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए। कादयान जी, अब आप बैठ जाएं। आगे जब फिर बोलने का मौका आएगा तो आपको समय देने के बारे में सोच लेंगे। अब श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेंगे। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सदन की यह प्रथा रही है कि जो मैम्बर बोल रहा हो उसको अपनी बात कंकल्यूड करने के लिए स्पीकर साहब की तरफ से बीच में कहा जाता है कि आप अपनी बात दो मिनट में कंकल्यूड करें और बाकायदा स्पीकर साहब उसके लिए पहले घंटी बजाते हैं। इसलिए न आपने घंटी बजाई और न ही आपने माननीय सदस्य को अपनी बात दो मिनट में कंकल्यूड करने के लिए कहा। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मैंने बीच में इनको वार्न किया था कि आप अपनी बात को कंकल्यूड करें। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपने माननीय सदस्य को अपनी बात कंकल्यूड करने के लिए नहीं कहा। आप चाहें तो रिकार्ड चैक कर लें। आपने ऐसा नहीं कहा। इसलिए मेरी आपसे

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

विनती है कि आप माननीय सदस्य को बोलने के लिए पांच मिनट का समय और दे दें ताकि वे अपनी बात कंकल्यूड कर सकें। अगर वे पांच मिनट में अपनी बात खत्म नहीं करते हैं तो आप उन्हें बोलने से बंद कर देना। (शोर)

श्री अध्यक्ष : नहीं, अब श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेंगे। (शोर)

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर साहब, पहले आप इन दोनों का मामला निपटाएं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : अगर आपको नहीं बोलना है तो बताएं। (शोर)

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर साहब, इस तरह के माहौल में how can I speak ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, अगर आपको बोलना है तो आप अपनी बात शुरू करें। (शोर)

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर साहब, क्या ऐसे माहौल में बोलने का कोई फायदा है ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप बाद में बोल लेना। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कादयान जी का आधा समय तो रुलिंग पार्टी के महानुभावों द्वारा बीच में टोका टाकी करने से खराब हो गया । (शोर)

श्री अध्यक्ष : ये 35 मिनट बोले हैं अगर बीच में टोका टाकी के कारण इनका पांच मिनट का समय खराब हो गया तो ये 30 मिनट तो आराम से बोल चुके हैं (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप उनको अपनी बात कंकल्यूड करने के लिए दो मिनट का टाईम दे दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : ठीक है कादयान जी अपनी बात दो मिनट में कंकल्यूड करें।

डा० रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर साहब, जहां तक बिजली की बात है। चाहे हमारी सरकार आए चाहे इनकी सरकार आए बिजली की जनरेशन बढ़ाने के लिए बजट का जो क्वांटम है, बजट का जो अमाउंट है वह तो उसी हिसाब से खर्च होगा। अगर बजट के हिसाब से और सरकारी खजाने के हिसाब से कोई बात पूरी नहीं हो सकती तो वह ठीक बात है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहूंगा कि मुख्य मन्त्री जी की ओर से बिजली के बारे में और नहरी पानी के बारे में कुछ वायदे किए गए थे। लेकिन मुख्य मन्त्री जी ने नहरी पानी का आबियाना बढ़ा दिया। बिजली की जनरेशन बढ़ाने के लिए आपने इधर उधर से ग्रांट लेनी थी वह आपकी कम्पलशंज थीं, वह अलग बात है। बिजली के रेट बढ़ाने के साथ-साथ कोई भी पोलिटिकल आदमी जनता के विरोध में नहीं चलता। लेकिन आज की हरियाणा सरकार, चाहे कोई छोटा व्यापारी है, चाहे कोई दुकानदार है, चाहे कोई कर्मचारी है, चाहे किसान है बिजली के बारे में बहुत दुःखी है। उनको बिजली बिल्कुल नहीं मिल रही है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अगर ऐसा होता रहा और लोग इस सरकार से दुःखी होते रहे तो इनकी बहुत बुरी हालत होगी। अगर बिजली के बारे में लोग इसी तरह से परेशान रहे तो जैसे इस बार चौधरी बंसी लाल जी की दो सीट आई हैं वैसी ही अगर इनकी भी दो सीट न आ जाएं तो हम विधान सभा छोड़ कर अपने घर चले जाएंगे। मुख्य मन्त्री जी, आप इस सीट पर नहीं होंगे। इस सीट पर दूसरे लोग होंगे। स्पीकर साहब, जहां तक कानून-व्यवस्था की बात है। आज लोगों

[डा0 रघुबीर सिंह कादयान]

के घरों में बहन बेटियों का कोई ख्याल नहीं रखा जाता है। रात को चार-चार मलंग लोगों के घरों में घुस जाते हैं पता नहीं वे बिजली वाले होते हैं या पुलिस वाले होते हैं, घर में घुस कर बिजली का मीटर चैक करने लग जाते हैं। स्पीकर साहब, एक हमारा साथी है जब उसके घर में रात को चार मलंग गए तो वह हमारा साथी अपनी जनानी से बोला कि वह पिस्तोल तो निकाल कर ला, वह आज तक इस्तेमाल भी नहीं हुआ है लोग कहते हैं कि वह नकली हो गया है। उसकी जनानी वह पिस्तौल निकाल कर लाई और बोली ले इसको इस्तेमाल करके देख ले। उन चारों मलंगों में से वहां पर एक भी नहीं रहा। सारे के सारे भाग गए। अगर मुख्य मन्त्री जी चाहते हैं कि इस बारे में शिकायत करें तो मैं कहूंगा कि ऐसा सारे हरियाणा में हो रहा है।

श्री अध्यक्ष : कौन सा नेता था ?

डा0 रघुबीर सिंह कादयान : वह इनैलो का नेता था। अध्यक्ष महोदय, घरों के मीटरों की जो चैकिंग की जाती है उसका सरकार की तरफ से कोई क्राईटेरिया फिक्स किया जाये और चैकिंग से पहले लोगों को सूचित किया जाये कि फलां दिन 50 घरों को या इतने घरों के मीटरों को चैक किया जायेगा। इस बारे में पिक एण्ड चूज की पॉलिसी नहीं अपनानी चाहिए। पिक एण्ड चूज की पॉलिसी से ही लोग झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं। हम यह नहीं कहते की चैक न करो। चैक अवश्य करो चोरी करना पाप है और इस चोरी को रोकने के लिए सरकार की भी जिम्मेवारी बनती है लेकिन पिक एण्ड चूज की नीति न अपनाई जाये।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं कानून व्यवस्था की बात पर अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा। हो सकता है कि कोई और सरकार होती तो उस वक्त भी ऐसे हालात पैदा हो सकते थे। सरकार के सामने हो सकता है कि सीमित साधनों के कारण पुलिस और पब्लिक की रेशो के हिसाब से पुलिस फोर्स न हो लेकिन जो हमारे पास साधन हैं या मौजूदा फोर्स है उसके हिसाब से ही हमें काम तो इन लोगों से लेना ही पड़ेगा ताकि आम जनता अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सके। हो सकता है कि हैवज और हैवज नॉट की वजह से या दारूबंदी की वजह से क्राईम बढ़े हों या कोई और कारण रहा हो। हमारे हरियाणा में क्रिमिनल केस बढ़ने का जो मैं सबसे बड़ा कारण समझता हूं वह मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा। हमारा हरियाणा प्रदेश दिल्ली के तीन तरफ लगता है। दिल्ली की संस्कृति का हमारे प्रदेश पर बहुत अधिक असर पड़ रहा है। यहां की इन्फ्रास्ट्रैक्चर, एजूकेशन और टेलीविजन आदि का भी व वैस्ट्रन कल्चर का प्रभाव भी हमारे इलाके पर पड़ा है। इस बारे में मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि दिल्ली एक कैपिटल रीजन है। इस के लिए कोई स्पेशल पॉलिसी बना कर युवाओं को ठीक दिशा जब तक नहीं दी जायेगी तब तक मामला सुधरेगा नहीं। यदि ऐसा नहीं किया गया तो मामला इतना बिगड़ जाएगा कि हमारा और आप लोगों का रहना भी मुश्किल हो जायेगा। (शोर एवं विघ्न) आप समय नहीं दे रहे हैं तो मैं बैठ जाता हूं ।

श्री अध्यक्ष : कादयान साहब, आपका समय समाप्त हो गया है। अब आप बैठ जायें। अब श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेंगे।

श्री मांगे राम गुप्ता (जीन्द) : अध्यक्ष महोदय, 5 तारीख को इस सदन में महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण दिया था। अध्यक्ष महोदय, जब कल हाउस की कार्यवाही समय पर शुरु हुई तो उस वक्त हमारे लीडर ने इस अभिभाषण पर बोलने वाले विधायकों के नाम

आप द्वारा मांगने पर आपको दिए थे। आप द्वारा नाम मांगे जाने पर (अभिभाषण पर बोलने वाले विधायकों के) जो विधायक अभिभाषण पर बोलना चाहते थे, आपको उन साथियों के नाम समय पर दे दिए थे। हमारे लीडर ने जो नाम दिए थे उसके हिसाब से आपने टाईम एलॉट किया । मुझे एक बात तो यह समझ में नहीं आयी कि जब आपने हमारी पार्टी की स्ट्रैंग्थ के हिसाब से समय दिया था और हमने भी यह बता दिया था कि हमारे इतने विधायक इस अभिभाषण पर बोलना चाहेंगे। जब कोई विधायक हमारा बोलना चाहता हो तो उसे आप कहते हैं कि बैठ जाओ, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री अध्यक्ष : आपको बोलने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। उसके बाद आपको भी बैठने के लिए कहा जाएगा।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि 15 मिनट तो क्या अगर आप आदेश दें तो मैं 15 सैकण्ड में भी बैठने को तैयार हूं।

श्री अध्यक्ष : वह तो दिखाई ही पड़ रहा है। लग रहा है कि आप बैठेंगे ही।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं तो हर समय बैठने को तैयार हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि स्टुडैंट की पढ़ाई का एक साल के बाद इम्तिहान होता है और सालाना इम्तिहान के बाद रिजल्ट से पता चलता है कि उसने कितनी पढ़ाई की है। किताबों का ढेर लगा रहे और मां-बाप को गुमराह करता रहे तो उससे कोई लाभ नहीं है। इसी तरह से राजनैतिक लोगों की कामयाबी का जो आधार है वह विधान सभा में भाषण देने से नहीं या मुख्य मन्त्री की बड़ाई करने से नहीं या अध्यक्ष महोदय की सराहना से नहीं है। अध्यक्ष महोदय, उसकी परीक्षा हमेशा चुनाव से होती है। हरियाणा का इतिहास तो मैं 1977 से देख रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं देख रहा हूं कि 1977 में इसी पार्टी के मुख्य मन्त्री चौधरी औम प्रकाश चौटाला जी के पिता आदरणीय चौधरी देवी लाल जी मुख्य मन्त्री बनें (विघ्न) मेरे ख्याल से उस समय इनके 82 विधायक थे और 1987 में शायद 85 विधायक थे इसी सदन में मैंने खूब देखा हुआ है उस वक्त भी मैं विरोधी पक्ष में बैठा करता था इसी प्रकार से बजट अभिभाषण पर इसी सदन के अन्दर जहां चौधरी औम प्रकाश चौटाला जी मुख्य मन्त्री बैठे हुए हैं वहां पर चौधरी देवी लाल जी बैठते थे। उस वक्त भी गवर्नर एड्रैस पर इसी तरह से विधायक मुख्य मन्त्री को खुश करने के लिए बोलते थे। वे यह सोचते थे कि यह मुख्य मन्त्री हमेशा रहेंगे जब तक हरियाणा का नाम रहेगा या हिन्दुस्तान रहेगा तब तक ये अमर रहेंगे और मुख्य मन्त्री के पद से ये हट नहीं सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप गवर्नर एड्रैस पर बोलें।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं तो बजट पर बोलना चाहता था लेकिन आपने इस वक्त बुलवा दिया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप इस समय किसी रैली में नहीं खड़े हैं आप मुद्दे की बात करें। (विघ्न)

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मांगे राम गुप्ता जी 1991 से 1996 तक वित्त मन्त्री थे और मेरे मौसा श्री टेक राम जी का निधन हो गया था। चौधरी टेक राम की तेरहवीं थी। उनकी तेरहवीं के बाद मैं हाउस में आया। माननीय विरोधी पक्ष के नेता

[श्री धीरपाल सिंह]

को किसी बात पर नाराज हो कर चौधरी भजन लाल जी ने हाउस से निकाल दिया था। मैंने यहां हाउस में केवल इतनी बात कही थी कि मामला क्या है (विघ्न) इस बात को आप देख सकते हैं आप चाहें तो रिकार्ड मंगवा कर देख लें। मैंने केवल पूछा था कि मामला क्या है तो इसी बात पर मुझे नेम कर दिया गया था। गुप्ता जी, आप वे दिन भी याद करें जब विरोधी पक्ष के साथ ज्यादतियां हुई थीं। हमारे माननीय स्पीकर साहब ने तो ऐसी कोई बात नहीं की (विघ्न) आपने अपने समय में जो किया है वह आप याद करें (विघ्न) हम कोई गलत काम या ज्यादती तो नहीं कर रहे हैं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : दान सिंह जी, आप अपनी सीट पर जाएं। (विघ्न) आप कहां खड़े हैं आप अपनी सीट पर जाएं। गुप्ता जी, आप अपनी बात कहें। यहां बड़ा अच्छा माहौल बना हुआ था (विघ्न)

राव इन्द्रजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। पेज 59 पर रूल नं0 112 के सब-रूल 3 पर प्वायंट्स ऑफ आर्डर के बारे में यह लिखा है-

> "(3) Subject to conditions referred to in sub-rules (1) and (2) a member may formulate a point of order and the Speaker shall decide whether the point raised is a point of order and, if so, give his decision thereon, which shall be final."

आज और कल दो दिन से जब भी हमारा कोई विधायक बोलते हुए स्ट्रीम पकड़ रहा होता है तो कभी चौधरी धीरपाल जी खड़े हो जाते हैं और कभी चौधरी सम्पत सिंह जी खड़े हो जाते हैं और कभी और कोई * * * * खड़ा हो जाता है।

श्री अध्यक्ष : राव साहब, आप भी तो बीच में खड़े हो कर बोल रहे हैं। (विघ्न)

राव इन्द्रजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो आपकी इजाजत से खड़ा हुआ हूं और प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं। मैं केवल इतना जानना चाहता हूं कि प्वायंट ऑफ आर्डर पर आपकी क्या रूलिंग है ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलते वक्त इनको यह छूट मिली हुई है कि हाउस के सम्मानित सदस्यों को * * * * कहेंगे। ये एक अच्छे सीजण्ड पोलिटीशियन हैं इनको सीमा में रहना चाहिए।

राव इन्द्रजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्वायंट का अभी तक जवाब नहीं आया है। मैं प्वायंट ऑफ आर्डर रेज़ करते हुए यह चाहता हूं कि जो चौधरी धीरपाल सिंह जी ने प्वायंट ऑफ आर्डर करके बार-बार इण्टरवीन किया है क्या वह उचित था या नहीं था, आप यह जवाब दीजिए।

श्री अध्यक्ष : हां, उचित था।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, माननीय मांगे राम जी अभिभाषण से बाहर जा रहे थे तो मैंने आपसे अनुमति लेकर उनको यह बताने की कोशिश की थी कि आप 1991-96 तक के समय को भी याद करें उस समय को भूलें नहीं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। भजन लाल जी आप अपने मैम्बर्ज को समझायें। (शोर एवं व्यवधान) मांगे राम जी आप शुरू करें।

---

*Expunged as ordered by the chair.

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि इन्होंने प्वायंट ऑफ आर्डर लेकर मुझे जो बात समझाने की कोशिश की है तो मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि जितने समय हाउस चलता है मैं मैक्सीमम हाउस में बैठता हूं। जब हाउस की कार्यवाही शुरु होती है तो जल्दी से जल्दी सदन में आने की कोशिश करता हूं और जब सदन की कार्यवाही समाप्त होती है तभी सदन से जाने की कोशिश करता हूं। मैं ऐसा कोई शब्द कहने की कोशिश नहीं करता हूं जिसकी वजह से किसी माननीय सदस्य को कोई ठेस पहुंचे या अध्यक्ष महोदय को मुझे नेम करना पड़े। हम जो भी कहते हैं वह ठीक बात कहते हैं। हम जनता के बीच में जाते हैं और जनता ने हमें चुन कर भेजा हुआ है और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर चलते हैं । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर दोनों तरफ से बहुत चर्चा हुई। स्वाभाविक ही है कि ट्रेजरी बैंचिज वाले इसकी सराहना करेंगे और उनको करनी भी चाहिए लेकिन विरोधी पक्ष सदन में इसलिए बैठता है कि वह सरकार को यह बताएं कि जो ये कर रहे हैं क्या उससे जनता खुश है या नहीं ? मैं एक बात कहना चाहूंगा कि प्रजातन्त्र में ट्रेजरी बैंचिज को विरोधी पक्ष के लोगों की बात को ध्यान से सुनना चाहिए। यह बात अलग है कि उस पर सदन में अमल करें या न करें क्योंकि यह राजनैतिक बात है। लेकिन इनको उन विचारों पर बाद में गौर करना चाहिए अगर किसी का कोई अच्छा सुझाव हो तो उसको बाद में अमल में लाना चाहिए। लेकिन अगर ये उन अच्छी बातों पर अमल न करके पोलिटिकल फायदा लेना चाहते हैं तो इनकी मर्जी लेकिन बाद में इनको भुगतना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, यहां पर बंसी लाल जी की बहुत चर्चा हो रही थी। बंसी लाल जी ने हरियाणा में 10-12 साल के बाद राज कैसे ले लिया। इन्होंने जनता की नब्ज को पकड़ा। इन्होंने देखा कि हरियाणा के लोग शराब से दुःखी हैं। इन्होंने कह दिया कि अगर मेरा राज होगा तो मैं 24 घंटे में शराब बंद कर दूंगा, दूसरा प्रयास होगा चौबीस घंटे बिजली देने का, तीसरा प्रयास होगा एस0 वाई0 एल0 कैनाल का पानी लाना और चौथा प्रयास होगा गंगा का पानी हरियाणा में लाना। एस0 वाई0 एल0 का पानी तो पंजाब वालों ने नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, गंगा का पानी पीने में बहुत बढ़िया होता है और लोग नहाने के लिए भी हरिद्वार जाते हैं। अगर हरियाणा के खेतों में गंगा का पानी आ जाता तो इससे बढ़िया और कोई बात ही नहीं है। इसी कारण लोगों ने इनकी इन बातों को समझते हुए इनको सत्ता में ला दिया। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने एक काम तो आते ही सबसे बढ़िया कर दिया कि शराब बंदी का आर्डर कर दिया। लेकिन हुआ क्या ? आठ सौ करोड़ रुपये का साल का प्रदेश को नुकसान हो गया और शराब जहां पहले ठेकों पर मिलती थी वहीं बाद में उसके जगह-जगह प्याऊ लग गये। चाय की दुकान पर, पनवाड़ी की दुकान पर शराब मिलने लगी, होम डिलीवरी शराब की होने लगी और शराब का ऐसा माफिया हरियाणा में हो गया जिससे लोग त्राहि-त्राहि करने लगे। बंसी लाल जी गंगा के पानी लाने की बात या 24 घंटे बिजली देने की बात भूल गये जिसके कारण लोगों में इनकी सरकार के प्रति गुस्सा बढ़ गया और इसी कारण इनके अपने विधायकों ने भी मजबूर होकर इनका साथ छोड़कर ओमप्रकाश चौटाला जी की सरकार बनवायी। मैं चौटाला साहब को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि उन्होंने जो उस समय यह कहा कि मेरी यह सरकार लंगड़ी है इसमें मेरे साथ वह विधायक हैं जिन्होंने बंसीलाल जी का साथ छोड़ा है। ये मुझे काम नहीं करने देते। इन्होंने उसके बाद से दिलेरी से विधान सभा भंग कर दी और दोबारा से चुनाव करवाए। नारे लगाने में ये भी माहिर हैं इसलिये इन्होंने भी चुनाव से पहले दो तीन नारे दिए। जिन किसानों के ऊपर पचास हजार, एक लाख या दो लाख रुपये के बिजली

[श्री मांगे राम गुप्ता]

के बिल आठ दस सालों के बकाया थे उनको इन्होंने यह कहा कि आप बिजली के बिल मत भरो। जब मैं राज में आऊंगा तो बिजली पानी के बिल माफ कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, किसान के लिए बिजली और पानी बहुत जरुरी है इसके अलावा किसान को उसकी फसल के अच्छे भाव भी मिलने चाहिएं। ये कहते थे कि मेरी सरकार के समय किसानों को अच्छे भाव फसलों के दिए जाएंगे। इसी तरह से प्रदेश के दूसरे नागरिकों से इन्होंने कह दिया कि बंसी लाल जी के समय में जो टैक्स शराबबंदी की आड़ में लगाए गए थे उनको मैं हटा दूंगा। जैसे आज चन्द्र भाटिया जी ने भी माना कि शराबबंदी की आड़ में टैक्स लगे थे।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, हमने तो इनका उस समय विरोध भी बहुत किया था। जैसे ही हमारी पार्टी ने उस समय सरकार से समर्थन वापस लिया उसके तुरन्त बाद कांग्रेस पार्टी ने उस सरकार को समर्थन दे दिया ।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने उन टैक्सों को हटाने की बात कही थी। इसी कारण उस समय व्यापारी और किसान वर्ग इनसे खुश हो गया। गरीब मजदूरों को इन्होंने यह कह दिया कि हम आपको रोजगार देंगे इसलिए वे भी इनसे खुश हो गये। इसके बाद हरियाणा के लोगों ने चौटाला साहब की सरकार बना दी। मैं एक फैसले के लिए तो चौटाला साहब को मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि उन्होंने बी0 जे0 पी0 वालों की रड़क काढ़ने की खातिर चुंगी माफ करने का फैसला ले लिया। लेकिन उसके बाद दूसरे और टैक्स लगा दिए गए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इस बारे में भाड़ पर दाने भूनने वाला एक किस्सा सुनाता हूं। एक आदमी जब भाड़ पर एक किलो दाने भूनने के लिए ले जाता था तो वहां पर एक किलो दाने में से सौ ग्राम की चुंगी निकाल लिया करते थे। इसलिए इन्होंने तो चुंगी की जगह चुंगा लगा दिया जिसका जिक्र मैं बजट पर जब आप मुझे बोलने के लिए मौका देंगे, तब करुंगा। ये टैक्स हटाना भूल गये। स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला ने चौधरी बंसी लाल द्वारा लगाए गए टैक्सों को हटाने के बारे में बार-बार सभी जगह पर कहा लेकिन इन्होंने उन टैक्सों को हटाने की बजाय गरीब मोची की दुकान पर टैक्स लगा दिए और छोटे -छोटे हलवाई हैं उनके ऊपर भी एक भट्ठी पर नौ हजार रुपये सालाना टैक्स लगा दिया। एक भट्ठी पर नौ हजार रुपये सालाना टैक्स बहुत ज्यादा है, इनकी लिस्ट मैं आपको बाद में दिखा दूंगा। आप इन दोनों पर लगाए गए टैक्सों को हटाने के बारे में जल्दी से जल्दी कोई न कोई फैसला करें। पानी की जहां तक बात है आज आप कहते हैं कि क्या करें भगवान की मर्जी है, इसमें कोई क्या कर सकता है।

श्री अध्यक्ष : मांगे राम जी अब आप वाईंड अप करें।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, पहले नहरों में पानी महीने में तीन हफ्ते चलता था और उसका आबियाना 30 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से आया करता था लेकिन अब नहरों में महीने में एक हफ्ते पानी आता है और आबियाना 30 रुपये की बजाय 60 रुपये प्रति एकड़ कर दिया गया है, तो मैं जानना चाहता हूं कि बारिश तो भगवान की मर्जी पर निर्भर है लेकिन आबियाना न बढ़ाना तो आपके हाथ में था, वह आपने क्यों बढ़ाया, किसकी एडवाइजरी से बढ़ाया ? इसको सरकार घटा भी सकती थी, माफ भी कर सकती थी। माफ कर देते तो सरकार का वायदा भी पूरा हो जाता और किसान का भी भला हो जाता । अगर मैं गलती पर नहीं हूं तो इस सरकार को बनाने में सबसे बड़ा हाथ किसान का है और कल जींद में किसान यूनियन का

एक सम्मेलन हुआ उसके बारे में अध्यक्ष महोदय, आप जानकर हैरान होंगे कि आज अगर कोई पोलिटिकल आदमी जलसा करता है तो लोग उसका भाषण सुनना नहीं चाहते लेकिन किसान यूनियन का सम्मेलन सुबह 11 बजे शुरु हुआ और रात के 8 बजे तक चलता रहा, उस सम्मेलन में किसानों के हजारों ट्रैक्टर गए। किसान वहां धरना देकर बैठ गए थे और कह रहे थे कि हम तब तक यहां रहेंगे जब तक सरकार का कोई उच्चाधिकारी यहां आकर हमारी बात नहीं मानेगा। अगर हमारी बात नहीं सुनी गई तो कल से हम रेल और बसों का रास्ता रोक देंगे। रात को आठ बजे सी0 एम0 साहब से बात करके वहां के ए0 डी0 सी0 उस सम्मेलन में पहुंचे और उन्होंने किसानों को बड़ा भारी आश्वासन दिया तब किसानों ने अपना आंदोलन समाप्त किया। अध्यक्ष महोदय, यह बात किसान कह रहे हैं मैं नहीं कह रहा हूं और ये आज के अखबार में लिखा है इनैलो-भाजपा विधायकों को गांव में नहीं घुसने देंगे। यदि किसानों की मांग सरकार पूरी नहीं करती तो हरियाणा के इनैलो-भाजपा के विधायकों व एम0 पीज0 को किसान गांव में नहीं घुसने देंगे।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप जल्दी वाइंड अप कीजिये।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, आपने बिना तैयारी के बोलने के लिए कह दिया है हम तो बजट पर बोलने की तैयारी में थे हमें तो आपने बजट पर बुलवाना था ।

श्री अध्यक्ष : आप पानी पीजिए गुप्ता जी, आपको तो विधान सभा में पानी मिल गया।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, बड़ी अच्छी बात है मेरे को तो पानी मिल गया लेकिन फौजी तो जेल में रहा। कहता था बाहर पानी नहीं मिलता। पानी की खातिर जेल में रहा।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, ऐसा लग रहा है कि मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी हों, क्योंकि ओम प्रकाश चौटाला की तरफ कोई देख ही नहीं रहा है।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, आखिर सही बात को सोचकर चलना चाहिये। मैं भिवानी की रैली की बात नहीं कहता। भिवानी की रैली में इतनी बड़ी गैदरिंग इसलिए हुई कि आज हरियाणा के लोग इस सरकार से दुखी हो गये हैं।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप रैली की बात छोड़िये।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, कुरुक्षेत्र में आदरणीय प्रधानमंत्री जी की रैली हुई। पहले नरवाना कांस्टीच्यूएंसी में माननीय मुख्यमंत्री जी ग्रेवैंसिज कमेटी की मीटिंग में जाते थे तो एस0 ई0 और एक्सियन इनके साथ होते थे। जब पंचायत के लोग सरपंच आदि अपनी मांगों की लिस्ट लेकर मुख्यमंत्री जी से मिलते थे तो मुख्यमंत्री जी एस0 ई0 और एक्सियन से कहते थे कि वे लोगों से पूछे कि इनके कितने बिजली के बिल पैंडिंग हैं। अगर किसी पंचायत का बिजली का बिल ज्यादा पैंडिंग होता तो मुख्यमंत्री जी उनसे कहते कि जाओ भाग जाओ यहां से जब बिजली के बिल भर दो तब अपनी मांगों को लेकर आना। परन्तु 6 तारीख से पहले चीफ मिनिस्टर महोदय नरवाना और जीन्द के गांवों में गये तो कहने लगे कि मैं तो चीफ मिनिस्टर बनकर नहीं आया मैं तो अपने भाईचारे में आया हूं टूटी खाट दे दो, बासी लासी पिला दो, गाड़ी मांग लो यह बातें उन्होंने इसलिए कही क्योंकि 6 तारीख की रैली में लोगों को इकट्ठा करना था । 6 तारीख को माननीय प्रधान मंत्री जी आये हजारों घंटे बजाये, भोला बाबा, भोले भण्डारी कुछ तो दो लेकिन भोले भण्डारी ने इन्हें कुछ नहीं दिया ।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी आप बैठिये।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात कहने में कोई संकोच नहीं करता कि पोलिटिकल बातें करने से कुछ लाभ होगा मेरी सोच तो यह रहती है कि हमारे इल्के के लोगों को लाभ मिले। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं कि पोलिटिकल इंट्रस्ट के काम करने के लिए अभी काफी समय है। आपने टैक्सों की इतनी भरमार कर दी है कि चाहे व्यापारी हों या किसान हों या गरीब आदमी हों सभी टैक्सों की भरमार से दुखी हैं।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप बैठिये ।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जो आदमी बिजली का बिल भरता है, हाउस टैक्स भरता है फिर भी उसको इस टैक्स भरने का कोई फायदा नहीं पहुंचता है। आज मंत्री जी बैठे हुए हैं आप सर्वे रिपोर्ट मंगवा लें कि नगरपालिकाओं के टैक्स कितने बाकी हैं। अगर इसके बाद भी और टैक्स जनता पर ठोक दिये जाएं तो इतना अन्याय लोगों के साथ आज यह सरकार कर रही है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : अब माननीय मुख्य मंत्री जी गवर्नर महोदय के एड्रैस का रिप्लाई देंगे।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर कल से लगातार चर्चा हो रही है और हरियाणा बनने के बाद यह पहला अवसर है कि आपने सदन के सदस्यों को राज्यपाल के अभिभाषण पर इतने खुले दिल से बोलने का समय दिया। कल निरन्तर साढ़े 8 घंटे तक इस अभिभाषण पर चर्चा हुई और आज 11 बजे से लेकर 5 बजे तक आप मानकर चलिए यानि 6 घंटे तक इस पर चर्चा होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात के लिए भी इस सदन को बधाई देता हूं कि आधारहीन बातों को भी सभी सदस्य बड़े आराम से सुनते रहे। विपक्ष की हालत तो यह थी कि बोलने का समय दिया जाता तो ये बाथरुम में छुपते रहे। उर्दू की कहावत है कि अगाज़ तो अच्छा है, अंजाम खुदा जाने। आज तो इसके बिल्कुल विपरीत हुआ है। आज पहली बार विपक्ष के नेता ने गवर्नर एड्रैस के अभिभाषण पर चर्चा करने की शुरुआत की, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, यह रिकार्ड की बात है और यह एक ऐसा रिकार्ड है कि जब तक सृष्टि रहेगी तब तक यह रिकार्ड रहेगा। विरोधी पक्ष के नेता ने गवर्नर एड्रैस पर जो भाषण दिया उसे मैं पुअर कहूं तो उसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी क्योंकि वह भाषण तो था ही नहीं, इसकी पुष्टि तो चौ0 बंसी लाल जी भी कर देंगे। (शोर) हैरानी तो इस बात की है कि और तो और विपक्ष के नेताओं की तरफ से भी गुजरात के भूकम्प पीड़ित लोगों की सहायता जैसे विषय पर भी टीका-टिप्पणी करने में संकोच नहीं किया गया। गुजरात के भूकम्प पीड़ित लोगों के लिए हरियाणा प्रदेश की जनता ने, हरियाणा प्रदेश की सरकार ने, हरियाणा प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने, समाज सेवी संस्थाओं ने यहां तक कि स्कूलों में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों ने जिन्हें उनके मां-बाप एक -एक या दो-दो रुपये जेब खर्ची देते हैं, उसमें से पैसे बचाकर गुजरात रिलीफ फण्ड में दिए। इस काम के लिए किसी को न्यौता देने की आवश्यकता नहीं थी, सदन के विपक्ष के नेता चौ0 भजन लाल जी यहां बैठे हैं, और लोग तो शायद नहीं जानते लेकिन चौ0 भजन लाल जी डा0 भागीरथ बिश्नोई को जानते हैं वे एक अच्छे सर्जन हैं, लाखों रु0 की प्रैक्टिस है। किसी ने उनको गुजरात नहीं बुलाया लेकिन वे गुजरात में भूकम्प पीड़ितों की सेवा में

लगे हुए थे और कितनी ही समाज सेवी संस्थाएं वहां गई हुई थीं। मुझे कहना तो नहीं चाहिए लेकिन हरियाणा विधान सभा के सभी सदस्यों ने अपने एक-एक महीने की तनख्वाहें गुजरात रिलीफ फण्ड में दी हैं। सरकारी कर्मचारियों ने एक-एक दिन का वेतन गुजरात भूकम्प पीड़ित सहायता कोष में दिया है। मेरा ख्याल है कि जो लोग इसका विरोध करते थे उनसे भी यह पैसा देने में चूक नहीं हुई होगी। बहुत अच्छी बात है, ऐसा होना भी चाहिए। इस बात की सारे मुल्क में सराहना हुई है। गुजरात के लोगों ने भी इस बात की सराहना की है। अध्यक्ष महोदय, विपक्षी सदस्यों की तरफ से इस बात पर आपत्ति की गई थी कि हमें गुजरात में भूकम्प पीड़ितों की सहायता के लिए जब यहां की टीम गई थी उसमें शामिल नहीं किया गया, ऐसे काम के लिए कोई निमंत्रण की बात थोड़ी ही होती है। यह तो एक सराहनीय काम था और इन्सानी हमदर्दी के नाते और जैसी हरियाणा प्रदेश की सभ्यता और संस्कृति की परम्परा है और परिपाटी है। उसी प्रकार से केवल गुजरात में ही नहीं, आन्ध्र प्रदेश और उड़ीसा में आए साइक्लोन के समय भी हरियाणा प्रदेश ने काफी मदद की। पिछले वर्ष जब गुजरात और राजस्थान में सूखा पड़ा तब भी हरियाणा प्रदेश के लोगों ने कैटल फीड दिया, तूड़ा दिया और जो मदद करनी चाहिए थी, वह सब की और यह एक अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, बहुत से मामलों को लेकर अभिभाषण पर चर्चा की गई, मुझे प्रसन्नता होती अगर विपक्ष की तरफ से हैल्दी क्रिटिसिज्म होता और रचनात्मक सुझाव दिए जाते। हम सदन में इस बात को मानने के लिए वचनबद्ध हैं, हमारी सोच केवल एक ही है कि हरियाणा प्रगति के पथ पर आगे बढ़े। हम इसके लिए प्रयासरत हैं। हमने अपने सीमित साधनों का ज्यादा से ज्यादा जनता की भलाई के लिए उपयोग किया है। अध्यक्ष महोदय, पानी के मुद्दे को लेकर विपक्ष के भाइयों ने काफी चर्चा की, इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि पिछले साल सितम्बर से लेकर जून तक बरसात की एक बूंद भी नहीं हुई फिर भी हरियाणा सरकार ने जो बाढ़ का पानी ड्रेनों में डाला हुआ था वह किसानों तक पहुंचाया। विपक्षी सदस्य इस काम के लिए सरकार की प्रशंसा करने की बजाय आलोचना कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त पड़ोसी राज्यों से महंगी बिजली खरीद कर किसानों को सस्ते रेट पर बिजली दी और यही कारण है कि किसानों की फसल बहुत अच्छी हुई और केन्द्रीय पूल में 38 लाख टन गेहूं देने की जगह 45 लाख टन गेहूं दिया गया, यह रिकार्ड की बात है और यह अपने आप में एक कीर्तिमान है। आज भी बरसात न होने के कारण हरियाणा के अन्दर सूखे की स्थिति बनी हुई है। भाखड़ा डैम का पानी 27 फीट नीचे चला गया है, यह गिरावट पिछले 16 वर्ष में सबसे ज्यादा इस बार हुई है। लेकिन मेरे विपक्ष के भाई बजाय इस समस्या से निपटने का सुझाव बताने के इसका राजनैतिक लाभ उठाना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने हर संभव प्रयास किया है कि हरियाणा की जनता को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले। यमुना में भी पानी 1200 क्यूसिक फीट तक रह गया था, इस बात का जिक्र चौधरी बंसी लाल जी ने भी किया और दूसरे साथियों ने भी किया था। चौधरी बंसी लाल जी ने भाखड़ा नहर की मरम्मत करवाने के लिए पुरानी परिपाटी को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार को पैसे भी दे दिए थे। लेकिन वह मरम्मत नहीं हो पाई, प्रदेश में नहरों की सफाई नहीं हुई। जिसके कारण नहरों में 10500 क्यूसिक पानी की जगह सिर्फ 5700 क्यूसिक ही पानी आ रहा था। इसके अतिरिक्त नरवाना ब्रांच में भी 3500 क्यूसिक पानी की जगह 3000 क्यूसिक ही रह गया। हमारी सरकार ने सभी नहरों की सफाई करवाई और भाखड़ा नहर की मरम्मत के लिए पंजाब की सरकार से अनुरोध किया। चौधरी बंसी लाल जी ने तो अपनी सरकार के समय में निर्णय ले लिया था कि किसान का पक्का खाला टूट जायेगा उसे किसान ही

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

बनवायेगा । अध्यक्ष महोदय, एक गरीब किसान के खेत में पानी देते हुए यदि खाला टूट जाये तो वह कैसे बनवायेगा, गरीब किसान कच्चा खाला तो बना नहीं सकता और किसान की खेत में पानी देने की बारी में खाला टूट जायेगा वह किसान तो उस खाले को बनाते बनाते ही दम तोड़ देगा। लेकिन हमारी सरकार ने पक्के खाले बनवाये हैं और किसान के खेत तक ज्यादा से ज्यादा पानी पहुंचाने की कोशिश की है । विपक्ष के कई माननीय सदस्यों ने पीने के पानी की भी शिकायत की है । इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश में ऐसा कोई भी जोहड़ नहीं है जिसमें नहर का पानी पशुओं के पीने के लिए न डाला गया हो सरकार ने स्टैंडिंग आर्डर जारी किए हुए थे कि जब भी नहर आये उस समय पहले सभी जोहड़ों को भरा जाये यदि मोरी खाली नहीं है तो दूसरी मोरी निकाल ली जाये । अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने नहर से लेकर जोहड़ तक के नालों को भी पक्का करने का निर्णय लिया है। यदि कोई सदस्य यह कहे कि मेरे यहां सुन्दर ब्रांच महीने में 15 दिन चले यह बहुत मुश्किल बात है। क्योंकि हमारी सरकार सभी को बराबर पानी देना चाहती है और दिया है। यह नहीं होगा कि कहीं पर तो 7 दिन, 10 दिन या 20 दिन पानी जा रहा है और कहीं पर एक दिन भी पानी न जाये और कोई सदस्य ऐसी मांग करता है तो वह भी गलत है। मेरे विपक्ष के भाई धर्मबीर जी की तो यह पुरानी आदत रही है कि आग लगाकर डब्बू यह पंजाबी की एक कहावत है कि जिसका मतलब है आग लगावो और दौड़ जाओ। क्योंकि मण्डीयाली कांड हुआ और वहां पर धर्मबीर जी ने आग लगवा दी और बाद में ये नजर तक नहीं आये, राम बिलास शर्मा जी के घर आग लगवाई, उस के बाद भी नजर नहीं आये। इसी तरह से कंवारी गांव में सड़क पर जाम लगवा दिया और बाद में नजर नहीं आये और जेल गये फौजी जैसे भाई। धर्मबीर जी ने भिवानी में रैली करवाई और वहां पर अपनी ही पार्टी के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को पिटवा दिया, वे बेचारे 2 दिन हो गये हाउस में भी नहीं आ रहे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आपके लीडर भी यहां बैठे हुए हैं (शोर) आपके अध्यक्ष के खिलाफ या उनके मान के खिलाफ कोई बात नहीं (शोर) यह तो एक्चुअल पोजीशन है (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर इनकी कोई काई कसाई भी होगी तो हमारे जिम्मे पड़ जाएगी!

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता को ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिये जिसके लिए हमें उठ कर कुछ कहना पड़े। इन्होंने भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का नाम लेकर कहा कि वे दो दिन से हाउस में नहीं आए, उनकी पिटाई कर दी (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने ऐसा बोला है (शोर) पिटाई का कोई सवाल नहीं है। वे हमारी पार्टी के प्रदेश के अध्यक्ष हैं (शोर) उनके लिए हमारे दिल में बड़ी इज्जत है। अध्यक्ष महोदय, हमारा आपसे अनुरोध है कि पिटाई वाली बात जो कही गई है उसको कार्यवाही से निकलवा दिया जाए। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता इस बात को बार बार दोहरा कर जो चटकारे ले रहे हैं यह मैं भी जानता हूं और सदन भी जानता है। (शोर) जैसा चौधरी भजन लाल जी के साथ गोहाना में हुआ था अब ये उसका बदला लेना चाहते हैं। ठीक है, ये जोर लगाते रहें (शोर) अध्यक्ष महोदय जो बिजली की कमी है वह एक मजबूरी है और हमें हरियाणा प्रदेश का हितैशी होने के नाते इस बात को ध्यान में रखकर चलना चाहिए। अब इसके लिए किस किस को

दोष दिया जाए। पानीपत थर्मल पावर प्लांट की पांचवी यूनिट को बनाने के लिए हमारी सरकार के वक्त तय किया गया था। (शोर)

श्री धर्मबीर सिंह : सर, मेरा एक प्वाइंट आफ आर्डर है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : धर्मबीर जी, आप बैठिए। (शोर)

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी के गांव में जो नहर चलती है वह तो महीने में एक दिन भी बन्द नहीं होती। मेरे हल्के में कैरो माइनर का जो नाम मैंने लिया है वहां पर सरकार के डेढ़ साल के शासन के दौरान टेल में पानी पहुंचा हो, तो बता दें। यह सरकार हमें ये बताए तो सही कि हम नहर की मोरी कहां से खोलें और पानी कहां से पीएं। (शोर)

प्रो0 सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, सुबह धर्मबीर जी ने कहा था कि कैरो माइनर में एक बूंद पानी नहीं गई और अब टेल का नाम ले रहे हैं। इतनी देर में ये अपनी कही हुई बात को बदल रहे हैं। सुबह का इनका भाषण निकलवा कर देख लें और अब इन द्वारा कही हुई बात को भी देख लें। इन्होंने इतनी देर में अपनी बात बदल दी है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैंने तो यह कहा है कि ये जिसको साथ लेकर चलें, कम से कम उसका साथ तो निभायें। ठीक है, पानी की कोई दिक्कत है तो ये हमें बतायें हम उसको दूर करेंगे। पानी की कमी को हम दूर करने की कोशिश करेंगे।

श्री रामकिशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, हाउस में सबको मालूम है कि कांग्रेस धोखेबाज है। इसमें कोई शक नहीं है। (हंसी एवं शोर/व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने इस बात को छुपा कर नहीं रखा कि बिजली की कमी है। इस कमी को पूरा करने के लिए चौधरी बंसी लाल जी ने भी प्रयास किये। प्रदेश में गैस बैसड तीन पावर प्लांट लगे जिनमें से दो इन्होंने चालू कराये। इसके लिए हरियाणा इनका आभारी है। इस सरकार के आने के बाद तीसरा गैस बैसड पावर प्लांट भी चालू हो गया है। हमने तो यहां तक प्रयास किया है कि पानीपत की रिफाइनरी से 365 मैगावाट बिजली भी प्रदेश के लोगों को जल्दी से जल्दी मिले। इस सरकार ने राजस्थान की एक फर्म के साथ एम0 ओ0 यू0 साइन किया है जिसने हिमाचल में भी एक हाइडल प्रोजैक्ट लगाया है। इसके अलावा कुवैत-इंडो कमीशन के तहत हिमाचल में 600 मैगावाट पावर प्लांट का एक और एम0 ओ0 यू0 साईन करने जा रहे हैं। इसके बारे में हमने एडवांस में उनसे बात की है। अभी उधर के कुछ सदस्य बोल रहे थे जिसमें मांगे राम गुप्ता जी भी थे। मांगे राम गुप्ता जी तो बड़े सयाणे और समझदार व्यक्ति हैं। ये लोग भिवानी की रैली का जिक्र कर रहे थे और बड़ी चर्चा हो रही थी कि इस रैली में लाखों आदमी इकट्ठे हुए। जिस रैली का इनको वहम हो गया है। भजन लाल जी भी खुश हो रहे हैं लेकिन ये रैली से इतना खुश नहीं हैं जितना कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा वाले मामले में खुश हैं। मुझे इस बात का पता है और मैं अच्छी तरह से समझता हूं (शोर) जिस रैली के बारे में ये इतना बढ़ा चढ़ा कर बता रहे हैं उसके लिए सदन की एक समिति मुकर्रर कर दी जाए, जिससे सारा पता चल जाएगा। चौधरी बंसी लाल जी भी वहां पर बैठे हैं और ये भी जानते हैं कि अगर उस ग्राउंड को नापा जाए तो पता चल जायेगा कि वह छः एकड़ का ग्राउंड है और मांगे राम गुप्ता जी खुद बनिये हैं और ये हिसाब-किताब जानते हैं। फीते तान के फसा-फसा कर भी आदमी बिठाएंगे तो 50 हजार आदमी उस ग्राउंड में नहीं बैठ सकते। कुरुक्षेत्र की जिस रैली को

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
ये कमजोर बता रहे हैं उसके बारे में भी मैं इनको बता दूं कि वह मैदान 26 एकड़ का है जिसमें मानस नहीं समा रहे थे। ये भजन लाल जी की तुलना अटल बिहारी वाजपेयी जी से करते हैं, कुछ तो * करें । (हंसी)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : क्या प्वांयट ऑफ आर्डर है ? (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला कह रहे हैं कि भिवानी का जो किरोड़ीमल कालेज का मैदान है वह 6 एकड़ का है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर है ? (शोर) विपक्ष के नेता हाउस का समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता अगर कोई गलत बात कहेंगे तो उस बात का मुझे जवाब तो देना पड़ेगा। ये कहते हैं कि कुरुक्षेत्र का 26 एकड़ का मैदान है, मैं तो कहता हूं कि वह मैदान 100 एकड़ का होगा। भिवानी के मैदान में भीड़ के हिसाब से उतने ही आदमी थे। आप इस बारे में पता करने के लिए सदन के पांच न्यूट्रल माननीय सदस्यों की एक कमेटी बना दें वह कमेटी जा कर पता कर लेगी और वह कमेटी जो रिपोर्ट देगी वह हम मान लेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता सदन के उन पांच सदस्यों के नाम बता दें और वे पांचों सदस्य जा कर उस मैदान को फीते से नाप आएंगे। अगर वह मैदान 6 एकड़ से फालतू हो तो बात करना। वह मैदान 6 एकड़ से ज्यादा बड़ा नहीं है और 6 एकड़ के मैदान में कितने आदमी बैठ सकते हैं यह अंदाजा ये खुद लगा सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी बंसी लाल जी से जानना चाहूंगा कि वे सदन को बतायें कि भिवानी का मैदान कितना बड़ा है। (शोर)

श्री भजन लाल : चौधरी बंसी लाल जी को पता है भिवानी की हमारी रैली में पांच लाख आदमी थे। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इतने छोटे मैदान में पांच लाख आदमी थोड़े ही आ सकते हैं।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कम से कम दो लाख आदमी तो मैदान के चारों ओर बाहर खड़े थे। सदन के नेता ने कहा है कि कहां भजन लाल और कहां अटल बिहारी वाजपेयी। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं अब भी कहता हूं कि कहां भजन लाल और कहां अटल बिहारी वाजपेयी । कहां राम -राम कहां टैं टैं । अगर मैं भजन लाल की तुलना अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ करता हूं तो मैं अटल बिहारी जी की शान के खिलाफ गुस्ताखी करता हूं। स्पीकर साहब कहां राम राम कहां टैं टैं। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनके पिता श्री के मुकाबले का हूं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौ० भजन लाल जी तो बहुत बड़े आदमी हैं इसलिए तो ये अपनी हैसियत के मुताबिक यहां पर बैठे हैं। यह तो समय की बात है। अध्यक्ष

* Expunged as ordered by the Chair.

महोदय, मांगे राम गुप्ता जी ने मेरे बारे में कहा कि मैंने अटल बिहारी वाजपेयी जी की बहुत सराहना की। मैं कहता हूं कि वे एक सराहनीय व्यक्तित्व हैं। उनकी सराहना मैं ही नहीं, इस देश का नागरिक ही नहीं बल्कि पूरे विश्व का हर नागरिक करेगा। मांगे राम जी, अटल बिहारी वाजपेयी जी को अटल बिहारी वाजपेयी बनने में बहुत टाईम लगा है। वे अपने कार्यों की वजह से अटल बिहारी वाजपेयी बने हैं। इधर उधर से दाव पेंच मार करके, कभी किसी की मारफत और कभी किसी की मारफत पार्लियामैंट में नहीं आए। ये कहते हैं कि मैंने उनके बड़े गुणगान गाए । मैं कहता हूं कि वे भारतवर्ष के प्रधान मंत्री हैं। यह मेरी जिम्मेदारी बनती थी कि वे जब हरियाणा प्रदेश में आएं तब उनका तहेदिल से स्वागत किया जाए। गुप्ता जी, जिम्मेदारी तो आप लोगों की भी थी। मैंने सभी माननीय सदस्यों को निमंत्रण दिया था कि देश के प्रधान मंत्री हमारे प्रदेश में आ रहे हैं इसलिए सभी माननीय सदस्य उनका स्वागत करने के लिए कुरुक्षेत्र जाएं। मैंने चौ0 भजन लाल जी को व्यक्तिगत तौर पर कहा था कि श्री वाजपेयी जी एक सम्मानित व्यक्तित्व हैं आप उनका सम्मान करिए। ये कहते हैं हमने उनके गुणगान गाए, उन्हें संकट मोचन बताया। हां, मैं आज भी कहता हूं और आन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस कहता हूं कि हरियाणा प्रदेश में जब भी कोई संकट आया, बिजली का संकट हमारे सामने आया, मैं प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के पास गया उन्होंने मुझे दूसरे प्रदेशों से बिजली दिलवाई जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश में बिजली की कमी पूरी हुई है। अध्यक्ष महोदय, यही नहीं, किसानों के दूध के ऊपर जो जीरो टैक्स लगाया उसके बारे में जा कर मैंने प्रधान मंत्री जी से कहा कि प्रधान मंत्री जी इस टैक्स से देश का किसान मर जाएगा। हमारे यहां यह कहावत है कि दूध और पूत बेचा नहीं करते। लेकिन परिस्थितियां ऐसी आ गई कि लैंड होल्डिंग्ज घटती गई, आमदन कम हो गई, अखराजात बढ़ते चले गए इसलिए किसान मजबूरन अपने बच्चों का पेट काट कर दूध बेच रहा है। अगर दूध और दूध से बने हुए उत्पाद विदेशों से आ गये तो इस देश का किसान बर्बाद हो जाएगा। मुझे प्रसन्नता है, मुझे गर्व है कि उन्होंने इन्टरवीन करके उस पर 60 प्रतिशत ड्यूटी लगा दी। मुझे इस बात का प्रधान मंत्री जी पर फक्र है कि उन्होंने गैस बेस्ड तीन पावर प्रोजैक्टस हरियाणा में लगाने के लिए मंजूरी दी। चौधरी भजन लाल जी, जब आप बदकिस्मती से प्रदेश के मुख्य मंत्री थे, उस समय प्रधानमंत्री जी द्वारा फरीदाबाद में बैठकर रिमोट कंट्रोल से यमुनानगर में गैस बेस्ड पावर प्रोजैक्ट की आधारशिला रखी गई थी वह धरी की धरी रह गई।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद का पावर प्रोजैक्ट हमने ही मंजूर करवाया था । यह रिकार्ड की बात है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह आपने कहां लगाया, वह तो चौधरी बंसी लाल जी ने लगाया था।

श्री भजन लाल : फरीदाबाद का पावर प्रोजैक्ट हमारे वक्त का मंजूर हुआ है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह आपके वक्त का लगा हुआ नहीं है। आपको तो जब भी मौका मिला आपने पूरे प्रदेश में आग लगाई है।

श्री भजन लाल : फरीदाबाद का गैस बेस्ड पावर प्रोजैक्ट हमारे द्वारा ही मंजूर करके चालू करवाया गया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : इस देश के प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 500-500 मैगावाट के तीन गैस बेस्ड पावर प्रोजैक्टस, यमुनानगर, हिसार और फरीदाबाद हमें दिए हैं। अगर हम उनके गुणगान नहीं गाएंगे तो किसके गाएंगे। मैं इससे भी आगे जा कर कहता हूं कि

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

वह केवल हरियाणा प्रदेश के किसानों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के किसानों के लिए संकट मोचन हैं। प्रधान मंत्री जी ने गेहूं का भाव पिछले साल के मुकाबले 60 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के बारे में हमें आश्वासन दिया है। आप तो एक रुपया प्रति क्विंटल के हिसाब से भाव बढ़ा कर किसानों के साथ भद्दा मजाक किया करते थे। (शोर) अध्यक्ष महोदय मैं आज फख्र के साथ 16.00 बजे कह सकता हूं कि गेहूं का भाव निश्चित रूप से बढ़ेगा, ऐसा आश्वासन प्रधान मंत्री जी ने हमें दिया है। जिस व्यक्ति ने संकट के समय में हमारी मदद की हो उसको मैं संकट मोचन न कहूं तो किसको कहूंगा। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी और चौधरी भजन लाल जी की सरकारें भी रही हैं और हमारी भी सरकार रही है। यदि मैं इनकी सरकारों की और अपनी सरकार की तुलना करुं तो हमने किसानों को बिजली इनसे ज्यादा दी है। आप एक एक दिन की बिजली की आपूर्ति के आंकड़े देख सकते हैं कि किसके समय में कितनी कितनी बिजली दी गई। इन दोनों के राज के समय वोल्टेज कम होने के कारण बिजली की मोटरें बहुत अधिक सड़ती थी जबकि हमारे राज में एक सिंगल मोटर भी कहीं से सड़ने की खबर नहीं आई। इस सदन में इन लोगों ने कहा कि हमने चुनाव के समय जनता से वायदा किया था कि हमारी सरकार आयेगी तो हम बिजली पानी किसानों को मुफ्त में देंगे। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमने ऐसी कोई बात कभी नहीं कही। किसी राजनीतिक दल की पोलिसी उसका चुनाव घोषणा-पत्र हुआ करती है। मेरे पास इण्डियन नेशनल लोकदल का चुनाव घोषणा-पत्र है। इसमें कहीं पर भी यह नहीं लिखा गया कि हम किसानों को बिजली पानी मुफ्त देंगे। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पहले 25 सितम्बर 1997 को जीन्द की रैली में ओम प्रकाश चौटाला ने कहा था कि हम किसानों को मुफ्त बिजली पानी देंगे। इन्होंने लोगों को गुमराह करके वोट लिए हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये चुनाव फरवरी में हुए। मेरे पास 7 फरवरी का अमर उजाला का अखबार है। इसमें खबर छपी है कि चौटाला ने बिजली पानी के वायदे को दर किनार किया। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब चुनाव पीक पर था तो उस वक्त हमने कहा था कि आज ऐसी स्थिति नहीं है कि हम बिजली पानी मुफ्त दे सकें। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने बोलते हुए थीन डैम का जिक्र किया था।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो थीन डैम का कोई जिक्र नहीं किया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में यहां पर बहुत चर्चा हुई। एस0 वाई0 एल0 नहर हमारे प्रदेश के लिए जीवन रेखा है। इस एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में इन दोनों के वक्त में एक फैसला हुआ था। ये बेचारे मुख्य मंत्री बन गये यह अलग बात है मगर इनकी हैसियत कभी नहीं रही। चौधरी बंसी लाल जी, आप भी इस बात के गवाह हैं, यह सदन गवाह है, पूरा प्रदेश गवाह है कि राजीव-लौंगोवाल समझौता जब हुआ तो ये चपड़ासी की तरह बाहर बैठे रहे और इनको किसी ने नहीं पूछा था। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी की कोई भी बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर मैं शक्ल की बात करूंगा तो श्री भजन लाल जी बहुत भद्दे लगेंगे (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौ0 भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, आप मेरी एक बात सुन लें अगर मैं अपने रूप पर आ गया तो ऐसी बुरी हो जाएगी कि कुत्ते खीर नहीं खाएंगे (शोर) ऐसे इन्ट्रप्ट करने की जरुरत नहीं है आप अपनी सीट पर आराम से बैठें। अगर मैं बताने लग गया तो बहुत कुछ मुझे बताना पड़ेगा (विघ्न) मैं चपड़ासी नहीं कह रहा मैंने तो यह कहा है कि चपड़ासी की तरह बैठे थे (विघ्न) आप मुख्य मंत्री थे लेकिन चपड़ासी की हैसियत में बैठे हुए थे अफसोस इसी बात का है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी की बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न) क्या कोई इजाजत दी है किसी को बोलने की ? आप सभी बैठें। बहन जी, आप भी बैठें (विघ्न) आपको तो अभी किसी बात का पता नहीं है (शोर) आप अपनी सीट पर बैठें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि एस0 वाई0 एल0 नहर हमारे पूरे प्रदेश के लिए एक जीवन रेखा है। लेकिन जिस बात की चर्चा ज्यादा की जा रही थी वह थीन डैम की, की जा रही थी। इस थीन डैम के मामले को चीफ मिनिस्टर्ज की मीटिंग में सबसे पहले मैंने उठाया था। तीन मार्च को प्रधान मंत्री जी ने यह मीटिंग बुलाई थी और इस मीटिंग में सबसे पहले मैंने इस बात पर आपत्ति की थी। मैंने कहा था कि प्रधान मंत्री जी, आप 4 तारीख को थीन डैम का उद्घाटन करने जा रहे हैं। आप जाईये, बहुत खुशी की बात है कि देश को एक और प्रोजैक्ट आप दे रहे हैं। इस प्रोजैक्ट से बिजली मिलेगी यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन ये जो पंजाब के लोग बैठे हैं आप इनसे कहें कि जिस पानी से यह बिजली तैयार हुई है, वह पानी रावी नदी का है जिसमें हमारा भी हिस्सा है, इसलिए इस बिजली में हमारा भी हिस्सा बनता है। इन्हें आप यह कहें कि क्योंकि यह पानी पाकिस्तान को जा रहा है इसलिए यह नैशनल लौस है। मैंने उनको यह भी सुझाव दिया था कि जिस प्रकार मिनरल्ज और माईन्ज का राष्ट्रीयकरण किया गया है उसी प्रकार से आप देश के दरियाओं का राष्ट्रीयकरण करें। उन दरियाओं पर आप डैम बनाएं, उन पर हाईडल प्रोजेक्ट्स बनाएं और जिसको जितनी मात्रा में पानी चाहिए वह दीजिए , जिसको जितनी मात्रा में बिजली चाहिए वह दीजिए और उन प्रदेशों से पैसा लें। आज हम इस स्थिति में नहीं हैं कि कोई हाईडल प्रोजैक्ट हम अपने तौर पर खड़ा कर सकें। मैंने मिसाल दे कर बताया कि इण्डो-पाक ट्रीटी के तहत जो जेहलम, चिनाब और रावी का पानी पाकिस्तान को जाता था, आपको पता है कि उस एग्रीमैंट में यह दर्ज है कि उस पानी में से मिनरल्ज निकाल सकते हैं, बिजली निकाल सकते हैं, लेकिन उसे सिंचाई के लिए प्रयोग नहीं कर सकते हैं। 1947 के फैसले के बाद सालार प्रोजैक्ट तैयार किया गया, मैंने कहा कि यहां पर जम्मू-कश्मीर के पावर मिनिस्टर बैठे हुए हैं, यह प्रोजैक्ट 1987 में तैयार हुआ। यह प्रोजैक्ट चालीस साल में इसलिए तैयार हुआ क्योंकि इनके पास पैसा नहीं था। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री बैठे हुए थे। आज हिमाचल प्रदेश में 20 हजार मैगावाट हाईडल बिजली पैदा करने की क्षमता है लेकिन हिमाचल प्रदेश की सरकार इस पोजीशन में नहीं है कि वह इतना पैसा खर्च करके कोई हाईडल प्रोजैक्ट लगा सके। पंजाब और हरियाणा मिल कर भी प्रयास करें तो भी हम इस पोजीशन में नहीं हैं कि उस तरह का हाईडल प्रोजैक्ट लगा सकें। आज हाईडल प्रोजैक्ट पर पांच या छः हजार करोड़ रुपये का खर्च आता है। मैंने कहा था कि आप बिजली तैयार करें और तमाम बिजली बांट कर दें। हमारे हिस्से का एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी आज पंजाब की हठधर्मी की वजह से पाकिस्तान जा रहा है और यह नैशनल लौस है आप इसको सम्भालिए। जिस पानी की चर्चा कर रहे हैं उस पानी से पंजाब ने चार प्रोजैक्ट लगा लिए हैं। एक प्रोजैक्ट आनन्दपुर साहब का है और एक मुकेरियां का है। आनन्दपुर साहब का हाईडल चैनल 134 मैगावाट का है मुकेरियां का प्रोजैक्ट 207 मैगावाट का और अपरबार दोआबा कैनाल (यू0 बी0 डी0 सी0) का प्रोजैक्ट 45 मैगावाट का है और चौथे 600 मैगावाट के प्रोजैक्ट का उद्घाटन अब आप करने जा रहे हैं। उसके बाद नीचे शाहपुर कण्डी प्रोजैक्ट और है जो उसी पानी से तैयार हो रहा है। मैंने कहा प्रधान मंत्री जी आप वहां जाईये लेकिन जिस पानी से बिजली तैयार की जाएगी उस पानी में हमारा भी हिस्सा है आप बराए मेहरबानी करके इनसे कहें कि हमारे हिस्से की बिजली हमें दें। इससे पहले यह प्रश्न मुख्य मंत्री के तौर पर न कभी चौधरी बंसी लाल जी आपने उठाया और न चौधरी भजन लाल जी ने उठाया। अगर उठाया हो तो आप दोनों बता दीजिए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो उठाया था लेकिन मेरी पार नहीं पड़ी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अब ये इस बारे में भी सुनें कि इन्होंने इस बारे में क्या मुद्दा उठाया है। 1950 में संयुक्त पंजाब के समय सतलुज, रावी-ब्यास दरियाओं के पानी के समुचित प्रयोग के लिए एक मास्टर प्लान बनाया गया था। उस मास्टर प्लान के तहत सतलुज पर भाखड़ा डैम, ब्यास पर पौंग डैम और रावी पर थीन डैम बनाकर बिजली बनाने की परियोजना बनाई गई थी। सन् 1955 में एक अन्तर्राज्यीय सम्मेलन में रावी-ब्यास दरियाओं के पानी का बंटवारा किया गया था। कुल 15.85 मिलियन एकड़ फीट पानी में से संयुक्त पंजाब को 7.2 एम0 ए0 एफ0 पानी का हिस्सा दिया गया था। 1960 में भारत सरकार और पाकिस्तान सरकार के बीच नदियों के पानी के बंटवारे के बारे में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे और पाकिस्तान को 100 मिलियन डालर अदा करके सतलुज, ब्यास एवं रावी दरियाओं के पानी का एकल अधिकार प्राप्त किया था। अगर मैं कहीं पर भी गलत हूं तो बता देना क्योंकि आप सरकार में रहे हो। वर्ष 1976 में भारत सरकार ने अधिसूचना जारी करके संयुक्त पंजाब के 7.2 एम0 ए0 एफ0 पानी को पंजाब और हरियाणा में आधा आधा बांट दिया था। यही पानी एस0 वाई0 एल0 कैनाल के जरिए हरियाणा को मिलना है। इसके उपरान्त इराडी ट्रिब्यूनल ने 1987 में हरियाणा के हिस्से को बढ़ाकर 3.83 एम0 ए0 एफ0 कर दिया। हरियाणा राज्य को पंजाब के उत्तराधिकारी होने के नाते उन सभी परियोजनाओं में जहां पंजाब में पानी से बिजली बनाई जा रही है अथवा बनाई जानी है उसका 50 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार बनता है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारा 50 प्रतिशत हिस्सा नहीं है, बल्कि 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बनता है क्योंकि हमारा पानी का हिस्सा ज्यादा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य के हिस्से की मान्यता समय समय पर मानी गई है और वर्ष 1979 में अटार्नी जनरल आफ इण्डिया ने भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी को कानूनी राय दी थी कि हरियाणा राज्य को पानी का हिस्सा मिलना चाहिए। इन रावी -ब्यास दरियाओं के तमाम पानी को प्रयोग करने के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को बनाने का फैसला किया गया जिनका मैंने अभी उल्लेख किया है । इन पांचों परियोजनाओं में पहली चार पंजाब सरकार ने पूरी कर ली हैं और इन परियोजनाओं से पैदा होने वाली बिजली का अकेले इस्तेमाल पंजाब ही कर रहा है। इस प्रकार हरियाणा राज्य का लगभग 550 मैगावाट बिजली का हिस्सा हरियाणा को नहीं दिया जा रहा है। वर्ष 1984 में जब पंजाब सरकार ने आनन्दपुर हाईडल चैनल को नंगल हाईडल चैनल से जोड़ना था एवं रोपड़ थर्मल पावर स्टेशन को पानी देना था तब भारत सरकार के माध्यम से राजस्थान और हरियाणा राज्य से एक लिखित समझौता किया था उस समझौते पर चौधरी भजन लाल जी के दस्तखत हैं। वह समझौता यह था कि इन हाईडल प्रोजैक्टस के राज्यों के अधिकारों का फैसला निश्चित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को भेजा जाएगा। लेकिन आज तक उस फैसले पर अमल नहीं हुआ है। चौ0 भजन लाल जी आप कहते हो कि मैंने नहीं किया है लेकिन इस समझौते पर आपके हस्ताक्षर हैं। चौ0 बंसी लाल जी आप कहते हैं कि मैंने तो प्रयास किया है, लेकिन 1986 में आप मुख्य मंत्री बन गये थे। फिर भी उस पर आज तक अमल नहीं किया गया, कोई चर्चा नहीं की गई। मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि पहली दफा मैंने जुर्रत करके अपने हिस्से का पानी उनसे मांगा जोकि हमारा अधिकार है। इस मामले में कटाक्ष और नुक्ताचीनी करने की बजाए पूरे सदन को और पूरे हरियाणा के लोगों को एक जुट होकर के अपने अधिकार को हासिल करना चाहिए। चौ0 बंसी लाल जी मैं आपको एक बात बता दूं कि जब आप मुख्यमंत्री थे उस समय इस प्रकार का आप एक रैजोल्यूशन लेकर आए थे तो हमने उसमें आपका पूरा साथ दिया था।

श्री भजन लाल ; अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मुख्य मंत्री जी ने यह बताया कि 1976 में पानी का फैसला हुआ था और उसी आधार पर श्रीमती इन्दिरा गांधी ने इस नहर के लिए आधारशिला अपने करकमलों से रखी थी। यह रिकार्ड में है। यह आधारशिला पानी का फैसला होने के बाद रखी गई थी। जहां तक मुझे याद है कि जब मैं मुख्य मंत्री था तब ही 80-85 फीसदी नहर बनी है। यह रिकार्ड में है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी की यादाश्त की मुझे दाद देनी पड़ेगी इसके अलावा मैं और क्या कह सकता हूं। अब मैं कुछ कहूंगा तो ये कहेंगे कि मेरे साथ यह हुआ था इन्होंने तो पूरे प्रदेश को बर्बाद करके रख दिया है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप बैठिए। मुख्य मंत्री जी जो कह रहे हैं उसे आपको सुनना चाहिए ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आज इसका प्रचार भी किया जा रहा है। कई किस्म के लोग अब इस तरह की बातें प्रचारित कर रहे हैं । ये लोग बिजली के अभाव की बात को ध्यान में नहीं रख रहे हैं। उनके द्वारा इस बारे में बिल्कुल अनर्गल प्रचार किया जा रहा है कि बिजली का लोड बढ़ाया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, हम भी समझते हैं कि जमीन के पानी का

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

लैवल नीचे चला गया है। चौधरी बंसी लाल जी ने चार तरह की स्लैब प्रणाली लागू की और इस तरह से उन्होंने गांव को एक यूनिट मान लिया। वे एक ऐसी विपदा जाते-जाते हरियाणा प्रदेश के गले में डाल गए जिसका कोई समाधान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में चौधरी देवी लाल जी ने एक निर्णय बाकायदगी से तय किया था कि जमीन में पचास फुट तक जहां पानी होगा वहां पर इतने पैसें और जहां पर पचास फुट से अस्सी फुट तक पानी होगा वहां पर इतने पैसे तथा जहां पर अस्सी फुट से नीचे पानी होगा वहां पर इतने पैसे देने होंगे। उनका वह फैसला एक ऐसा फैसला था जो पूरे हरियाणा प्रदेश के लोगों को काबिल कबूल था। जबकि चौधरी बंसी लाल जी ने बाद में एक ऐसा फैसला कर दिया जिसके अनुसार एक खेत के 35 रुपये के हिसाब से और दूसरे खेत में 65 रुपये के हिसाब से पैसे देने पड़ेंगे। पानी का स्तर निरंतर नीचे जा रहा है क्योंकि वह रि-चार्ज नहीं हो रहा है इसके अलावा जोहड़ भी और नहीं खुद रहे हैं। इस तरह से पानी का सिस्टम खराब हो गया है। इसलिए चौ० बंसी लाल जी, अब मैं आपसे इस बारे में खुलकर एक बात कहना चाह रहा हूं क्योंकि आज पूरा सदन यहां पर बैठा है। आप हमें इस बारे में बताएं कि इसका क्या सोल्यूशन हो सकता है, क्या समाधान हो सकता है ? मैं आपसे वायदा करता हूं कि इस बारे में आपके जो भी रचनात्मक सुझाव होंगे उनको मानने के लिए हम वचनबद्ध हैं। हम आपके सुझावों को मानेंगे क्योंकि हम हरियाणा प्रदेश के हितैषी हैं हमारे लिए हरियाणा का हित सर्वोपरि है । हमारी सोच में और दूसरों की सोच में अन्तर है। चौधरी बंसी लाल जी, आपमें और हममें कितना अन्तर है यह मैं आपको एक किस्सा सुनाकर बताता हूं। चौधरी बंसी लाल जी, आप बुरा नहीं मानना। अध्यक्ष महोदय, आज जहां पर चौधरी भजन लाल जी बैठे हैं वहां पर कुछ अर्सा मुझे भी बैठने का मौका मिला था और चौधरी बंसी लाल जी मेरी वाली कुर्सी पर बैठते थे। विपक्ष के नेता होने के नाते जो सुविधाएं मुझे मिलनी चाहिए थीं वह इन्होंने छीन ली थीं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको एक्ट की बात बता दूं। पहले एक्ट में होता था कि अगर सरकार कार नहीं दे तो तीन सौ रुपये दिए जाने चाहिएं। उस समय अगर मैंने इनसे कार वापस ले ली थी तो दस हजार रुपये महीना दिया था। मैंने उस समय कानून कायदे नहीं तोड़े।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, उस समय मुझे विपक्ष के नेता होने के नाते जो कोठी मिलनी चाहिए थी वह भी इन्होंने नहीं दी थी। मुझे वह कोठी दी गई थी जिसमें एक आदमी बैठा हुआ था।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, उस समय और कोई कोठी खाली ही नहीं थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कोठी तो और भी खाली थीं। इन्होंने खुद तो विपक्ष के नेता बनने के पहले ही चीफ सैक्रेटरी से चार नम्बर वाली कोठी अलॉट करवा ली थी।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, लेकिन इन्होंने तो वह कैंसिल कर दी थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होने वह कोठी अलॉट कैसे करवा ली क्योंकि ये तो उस समय मान्यता प्राप्त विपक्ष के नेता भी नहीं थे। इन्होंने तो मुख्य मंत्री के पद से

जाने के बाद हाउस को भी फेस नहीं किया था और आज ये सरकार से मांग रहे हैं कि मैं इतने अर्से तक विपक्ष का नेता था इसलिए मुझे पैसे दो। यह तो इनके लिए डूब के मरने वाली बात है। यह हालत तो इन जनाब की है। फिर ये हरियाणा प्रदेश के हितैषी कैसे हो सकते हैं ? चौधरी बंसी लाल जी पार्लियामैंट के मैम्बर रहे, डिफैंस मिनिस्टर रहे और रेलवे मिनिस्टर रहे। इन्होंने अपना इलाज भी आल इंडिया मैडीकल इंस्टीच्यूट में करवाया है जबकि ये मैडीकल बिल की पेमैंट हरियाणा सरकार से मांग रहे हैं। हालांकि इनकी इसके लिए एनटाइटलमैंट है इसलिए इनका हक तो है लेकिन इनको कुछ तो इस बारे में सोचना चाहिए था। मैं यह नहीं कहता कि इनका इसके लिए हक नहीं था, हक तो है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी इस बारे में सबमिशन है जिस तारीख को मैं आल इंडिया मैडीकल इंस्टीच्यूट में ऐडमिट हुआ उस तारीख को मैं इस सदन का मैम्बर था। इसलिए मैंने अपना एड्रैस यही देना था न कि एक्स एम0 पी0 का एड्रैस देना था। मैं मैडीकल इंस्टीच्यूट में दाखिल होकर गलत तो नहीं बोल सकता था। जो एड्रैस मैंने उनको दिया उसी के हिसाब से उन्होंने मुझे एम0 एल0 ए0 का बिल बनाकर दे दिया और मैंने वह सरकार से क्लेम कर लिया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम यह नहीं कह रहे हैं कि इन्होंने गलत बोला। हमें पता है ये हरिश्चन्द्र हैं यह तो हम मानकर चल रहे हैं कि ये गलत नहीं बोल सकते लेकिन जब इनकी एनटाइटलमैंट वहां पर भी है तो इनको सैंट्रल गवर्नमैंट से यह पैसा लेना चाहिए था क्योंकि वहां तो समुद्र है। यदि चौधरी भजन लाल जी को और मुझे पांच रुपये की भी दवाई चाहिए तो हम सैंट्रल गवर्नमैंट से क्लेम कर लेते हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हाई कोर्ट में यह केस गया था। ये वहां पर कह देते कि मैं अपने मैडीकल बिल का पैसा वहां से क्लेम करूं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वहां पर जाकर कहने की जरुरत ही नहीं थी। ये वैसे ही मांग लेते यह तो इनका अधिकार था। एक एम0 एल0 ए0 को मैडीकल सुविधाएं मिलती हैं इसलिए इनको हाई कोर्ट में जाने की क्या पड़ी थी।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं गलत नहीं बोल सकता था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये फिर उसी बात पर आ जाते हैं । अध्यक्ष महोदय, इनके पास सिक्योरटीज के तीस आदमी हैं फिर भी इन्होंने दावा दायर कर रखा है कि मुझे फलानी एनटाइटलमैंट की सिक्योरटीज़ चाहिए । अध्यक्ष महोदय, ये मुझे बताएं कि ये इतनी सिक्योरटीज़ का क्या करेंगे कौन इनको मारेगा ? कारतूस कितना महंगा है कभी सोचा है इन्होंने, क्या सोचकर कोई इनको मारेगा, जनता ने जिसको मार दिया हो उसको भला कौन मारेगा। ये सिमटकर सिंबल पर खड़े हैं छोरी और छोरा-राम किशन और बंसी लाल।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी पर्सनल बातों पर न जाएं तो अच्छा है और जो बातें हमने कही हैं उनका जवाब दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कानून और व्यवस्था की चर्चा की गयी कि प्रदेश की कानून और व्यवस्था खराब है और हैरानी तो इस बात की है कि चौधरी भजन लाल ने भी इस पर चर्चा की। अब पुराने हिसाब- किताब से अगर हम देखें, तुलनात्मक दृष्टि से देखें वैसे क्राइम करने वाला कभी भी क्राइम कर सकता है, लेकिन पुलिस की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि आया पुलिस उस को पकड़ती है या नहीं। जितनी भी वारदातें हुई हैं मुझे इस बात के लिए पुलिस की सराहना करने में फख्र महसूस हो रहा है कि पुलिस ने उनको पकड़ने में अपनी क्षमता दिखाई है और इसके लिए प्रदेश की पुलिस बधाई की पात्र है। आज संयोग से महिला दिवस है और आप इसी से अंदाजा लगाइए कि जब चौधरी भजन लाल मुख्यमंत्री थे तब रेणुका कांड, सुशीला कांड, द्रोपदी कांड हुए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी बाद में बोल सकते हैं इनको बोलने की मनाही नहीं है और अगर हमसे कोई गलती हो तो हमें बतायें ताकि हम उसे सुधार सकें।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को चाहिए कि डिबेट का स्टैंडर्ड ऊंचा करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी को बताना चाहूंगा कि मैं उस सुशीला कांड का जिक्र कर रहा हूं जिसके लिए हम दोनों एक ही स्टेज पर थे। मैं व्यक्तिगत बात नहीं कह रहा हूं मैं सुशीला कांड, रेणुका कांड, द्रोपदी कांड और भूतमाजरा कांड का जिक्र कर रहा हूं और सरकार को यह पता होते हुए भी कि मुलजिम ये हैं क्योंकि उनके संबंध बड़े आदमियों से जुड़े हुए थे इसलिए उन पर हाथ नहीं डाला गया ।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर मैं ऑन ओथ कहता हूं कि इन्होंने जो कहा है कि उन आदमियों के संबंध बड़े आदमियों से जुड़े होने के कारण मैंने उन्हें नहीं पकड़ा यह बात बिल्कुल बेसलैस और बेबुनियाद है, भजन लाल ने न तो आज तक किसी आदमी की परवाह की है और न ही किसी गुनहगार को आज तक बख्शा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, फिरौती का जिक्र किया गया। इसके लिए सिवानी के धर्मवीर का नाम लिया गया और जिन लोगों ने धमकी दी वे सुभाष फौजी गिरोह के लोग थे, वे पकड़े गए हैं और जो लोग पुलिस को वांटेड हैं वे शीघ्र ही पकड़े जाएंगे। रोहतक के महंत का जिक्र भी किया गया। यह जिक्र राव नरेन्द्र सिंह ने किया। नरेन्द्र सिंह यहां बैठे नहीं हैं वे मुझसे इस बारे में अलग से पूछ लेंगे तो मैं उनको बता दूंगा। यातायात की सुविधा के लिए हमने एक नई परिपाटी शुरु करने का निर्णय लिया है ताकि निरन्तर घट रही दुर्घटनाओं से लोग बच सकें। इसके लिए हमने ट्रैफिक का अलग से एक विंग मुकर्र किया है जिसके तहत हर बीस किलोमीटर की दूरी पर एक पुलिस पोस्ट होगी, मैडीकल वाहन होंगे, टैलीफोन होंगे। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट पर कार्यरत सिपाहियों की अलग पहचान बनाये रखने के लिए उन्हें पुलिस की वर्दी से अलग वर्दी दी है। हम चाहते हैं कि लोगों को रोड सैंस आये और दुर्घटनाएं बंद हों और उसके लिए हमने जिस ट्रौमा सैंटर का जिक्र किया है उस ट्रौमा सैंटर को बनाने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से विशेष रूप से अनुरोध किया है कि जितने भी जी0 टी0 रोड हैं उन सब पर ये ट्रौमा सैंटर बनाए जाएं। हमारी सोच है हम चाहते हैं कि हरियाणा प्रदेश में लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिलें। अध्यक्ष महोदय, चर्चा चलती है कि कर्मचारी नौकरी से निकाल दिए गए हैं। यह भी कहा गया कि फलाना मिल बंद हो गई। चौधरी भजन लाल जी ने विशेष तौर पर जिक्र

किया कि हांसी स्पिनिंग मिल बंद हो गई। अब मैं आपको बताना चाहूंगा कि हांसी स्पिनिंग मिल को बंद करने का निर्णय 10-10-1994 को लिया गया था उस वक्त हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी थे। चौधरी भजन लाल जी ने अपनी अध्यक्षता में एक मीटिंग की थी उस मीटिंग में यह तय किया गया था कि जो स्टेट की अण्डरटेकिंग्ज़ वायबल नहीं हैं उनको बंद कर दिया जाये । उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी जब मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने 22-10-1998 को हांसी स्पिनिंग मिल के लिक्विडेशन का फैसला किया था इन्होंने तो बंद करने और लिक्विडेशन करने की आड़ लेकर यह मामला लटका दिया। हमने यह गलती जरुर कर दी कि इसे बंद करने का निर्णय ले लिया क्योंकि हरियाणा सरकार के खजाने पर रोजाना एक लाख रुपये का आर्थिक बोझ पड़ता था। अब यह मिल बंद पड़ी है, चल नहीं रही है फिर भी सरकार के खजाने से लाख रुपये रोज लग रहे हैं।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हांसी स्पिनिंग मिल में जो पांच हजार कर्मचारी काम करते थे कम से कम उनका तो ध्यान रखना चाहिये था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी को यह भी बताने जा रहा हूं कि जो कर्मचारी निकाले गये हैं उन कर्मचारियों को चाहे वह चपड़ासी क्यों न हो प्रत्येक कर्मचारी को कम से कम दो लाख रुपये देने का फैसला किया है। हम ने उनको बेरोजगार नहीं किया हम उनको सड़कों पर नहीं लाये। उन कर्मचारियों को इतने पैसे दिये हैं कि वे उस पैसे से अपना कारोबार चला सकते हैं। हमने उस मिल को इसलिए बंद किया क्योंकि सरकारी खजाने पर अनावश्यक बोझ न पड़े। चौधरी भजन लाल जी, आपको उस कॉन्फेड का तो जिक्र नहीं करना चाहिये जोकि *** महकमा कहलाता था जिसके लैहम्बर सिंह एम0 डी0 थे जिसको आप आर्डर दिया करते थे और जेब में से पर्ची निकाल कर दिया करते थे। आपको याद आया या मुझे बताना पड़ेगा उस समय बिना सैंक्शन के पोस्टिंग हुआ करती थी।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो माननीय मुख्यमंत्री जी से यह कहा है कि जो हैफड या दूसरी कारपोरेशंज हैं जिनके कर्मचारी बेचारे ओवर ऐज हो गये हैं वे कहां जाएंगे । कम से कम उनको तो किसी और महकमे में आपको एडजस्ट करना चाहिये था। अगर किसी यूनिट का काम ठीक नहीं हैं उसको तो सरकार बंद कर सकती हैं लेकिन उस यूनिट में काम करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों का ध्यान तो सरकार को रखना चाहिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये बिना सैंक्शन के राज चलते जेब में से पर्ची निकाल कर दिया करते थे। मांगेराम जी ने फिर कहा था कि सिखाये हुए तो हमारे थे लेकिन ये 34 के 34 ले गये थे इससे बड़ा डिफैक्टर क्या है दुनिया में ? (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि सबसे डिफैक्टर तो चौधरी देवी लाल हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी इतने एम0 एल0 एज0 जिताकर लाये थे। मांगेराम जी ये ऐसे महानुभाव थे जिनको लेशमात्र भी संकोच नहीं था ऐसे अहसान फरामोश लोगों को तो आप समझाओ । वे 34 के 34 चले गये और उनको इन्होंने मंत्री बनाना पड़ा, परन्तु अब तो दस में चालन लाग रही सै। ये तो 40-40 की वजारत बनाया करते थे। हमारे ये दस बैठे हैं और ठाठ से राज चालन लाग रहा सै।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी मजबूरी है।

*** Expunged as ordered by the Chair.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूंगा कि मजबूरी नहीं है चौधरी गाय के घी की मन में ले जा, रीज कै मर जाइये, पत्ता नहीं हिलने दूंगा किसी चीज का बहम हो जब तक जीऊंगा मुख्यमंत्री रहूंगा आज कह कर जा रहा हूं सदन में चाहे जितना जोर लगा लिये। मैं उस तरफ बैठता था जब तनै जोर मारा था एक नहीं टूटा था आज तो राज के मालिक हैं राज भोगेंगे ठाठ सै, मालिक हैं राज के ठाठ से राज करेंगे।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर इनका राज रहा तो यह हरियाणा का दुर्भाग्य होगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस किस्म के हालात प्रदेश में इन लोगों ने पैदा कर दिये हैं। इनके सामने प्रदेश का हित नहीं है। राजनीतिक सत्ता का लाभ उठाने के लिए इस तरह के अनर्गल प्रचार करके लोगों में भ्रान्ति पैदा करने की कोशिश करते हैं। बड़े लोगों के सामने कहते हैं कि अब की बार मैं सरकार को तोड़ दूंगा, महीने में तोड़ दूंगा अगर नहीं टूटी तो सूसाइड कर लूंगा । हमने पुलिस को इस प्रकार की हिदायतें दे दी हैं कि मरने से पहले खुदकशी का पर्चा दर्ज करके रखें। आसानी से मरने नहीं देंगे। कीड़े पड़कर मरोगे। यूं सोखा सा कैसे मरने देंगे।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि हम तो मारकर मरने वाले हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अब मैं इनको कॉन्फेड की सुना दूं। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय 12 दिसम्बर, 1998 को कॉन्फेड के प्रशासक मण्डल ने 1036 पदों को स्वीकृत किया और यह फैसला किया कि इन पदों से ज्यादा कर्मचारियों को कानूनी औपचारिकतायें पूरी करके निकाल दिया जाये। चौधरी बंसी लाल जी यह आपके वक्त का फैसला है। इस फैसले के परिणामस्वरूप 13 दिसम्बर, 1998 को 60 अधिकारियों को निकाला गया और 1990 में 146 कर्मचारियों को निकाला गया था । चौ0 भजन लाल जी, आपको भली भांति याद होगा कि आपकी सरकार के दौरान जनवरी 1994 में 259 कर्मचारियों को निकाला गया था। ये सारी बातें इन दोनों के ही वक्त की हैं। यह सिलसिला यहीं बंद नहीं हुआ। वर्ष 1998 में भी 165 खुदरा दुकानें बंद की गई जिसके परिणामस्वरूप 165 सेल्समैन को हटाया गया था क्योंकि ये दुकानें घाटे में चल रही थी क्योंकि ये सरकारी खजाने पर एक अनावश्यक बोझ थी, हमने उस बोझ को कम करके उस पैसे से विकास के कामों को गति देने में लगाया है। आज सदन में प्रचार किया गया था, किसी साथी ने शायद धर्मबीर जी कह रहे थे कि सिरसा जिले में बहुत पैसा लगा दिया, हमारी सरकार ने यह फैसला लिया था और चुनाव घोषणा पत्र में भी एक बात कही थी कि जो क्षेत्र विकास के मामले में उपेक्षित रहे हैं उन क्षेत्रों के विकास के लिए प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। धर्मबीर जी, आप जहां सिरसा में ज्यादा पैसा लगाने की बात कर रहे थे कि वहां की मार्किट कमेटियों की ज्यादा सड़क बन गई तो इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि सिरसा की मार्किट कमेटी सरकार को 16 करोड़ रुपये का रैवेन्यू सालाना देती है। आप बहल और जूई की मार्किट कमेटियों के बारे में बता दें, वे तो सरकार को कोई रैवेन्यू दे ही नहीं रही बल्कि उल्टा सरकार से खर्चा ले रही हैं। (शोर) लेकिन फिर भी मैं आपको बता रहा हूं कि 90 के 90 हलकों में हमने विकास के कार्य करवाए हैं, कोई भी सम्मानित साथी खड़ा होकर कह दे कि मेरे हल्के के साथ भेदभाव किया गया है। यहां तक कि आदमपुर में भी विकास के कार्य किए गये हैं जो पहले से ही एक विकसित क्षेत्र है।

डॉ0 रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि 90 के 90 हल्कों में से कोई बता दे जिसके हल्के में विकास कार्य न हुआ हो तो मैं ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय की नोलेज में लाना चाहता हूं कि मेरे हल्का बेरी में कोई विकास का कार्य नहीं हुआ। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कादयान जी, आप बैठिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कादयान जी के बेरी हल्के की ही बता देता हूं। बेरी में बहराना से इस्माइला, चिमनी से चिमनी मन्दिर, दुबलधन से पहाड़ीपुर, गोच्छी से बिसान, जौंधी से गुढ़ा, खालीवास से गवालिसन, मदाना कलां से गोच्छी, मांगावास से पलड़ा, महराणा से मदाना तथा सफीदपुर से इमलोटा इन सारी की सारी लिंक सड़कों को बनाने का काम चल रहा है।

डॉ0 रघुबार सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि ये सारी सड़कें अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : कादयान जी, क्या इतनी सड़कें बनाने के लिए पहले कभी मंजूरी दी गई है ? आप भी मंत्री रहे हैं किसी भी सरकार के राज में एक हल्के में इतनी सड़कें बनाने के लिए कभी मंजूरी दी गई है ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर मैं पूरे प्रदेश की सड़कों के बारे में बताऊं तो हमारी सरकार बनने से पहले 15-6-1991 से 24-7-1999 तक जो सड़कें बनी हैं उन पर 110 करोड़ 40 लाख रुपये लगा है। जबकि हमारी सरकार का पीरियड है 25-7-1999 से 31-12-2000 तक और इस पीरियड में सड़कों पर 97 करोड़ 68 लाख रुपये लगे हैं (मेजें थपथपाई गई) ये तो सरकारी आंकड़े हैं। हम प्रदेश के विकास के लिए वचनबद्ध हैं। मैं सदन को एक बार फिर कहकर जा रहा हूं कि हम सारी की सारी सड़कों की मरम्मत करवाएंगे। आज तक सर्दी के कारण तारकोल सड़कों पर काम करने के काम नहीं आ रहा था। आप देखेंगे कि बारिश होने से पहले हरियाणा में कोई भी सड़क का टुकड़ा नहीं मिलेगा जो पूरी तरह से कारपेटिड न हो। अगर कोई सड़क बनने से रह जाए तो मैं खुले दिल से हर माननीय सदस्य को आफर करता हूं कि हमारे पास आइए, हमें बताइए हम सरकार की तरफ से उनकी पूरी मदद करेंगे। हम ये सब काम आप के लिए नहीं करेंगे हम ये काम प्रदेश के लोगों के लिए करेंगे क्योंकि हमारा लोगों से प्रेम है, स्नेह है। क्योंकि आप लोग आज हैं, कल नहीं लेकिन जनता सदा के लिए है। हम जनता के लिए ही काम करेंगे लेकिन हमें हैरानी इस बात की है कि भजन लाल जी जैसे व्यक्ति भी यह कहें कि पुलिस के सिपाहियों की भर्ती में 3-3 लाख रुपये रिश्वत ली गई है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इनके समय में लगाये गये गलत तरीके से 1600 सिपाहियों को हटा दिया है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, रिश्वत वाली बात मैं नहीं कह रहा, यह तो जनता कह रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे हाउस को और हरियाणा की जनता को आश्वासन देता हूं कि पुलिस भर्ती में किसी भी तरह की अनियमितता अगर किसी ने की है तो हमें बतायें हम उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे और जो दोषी होगा उसके खिलाफ एक्शन लेंगे। चाहे दोषी व्यक्ति हमारी पार्टी का सदस्य हो, चाहे कोई बड़ा अधिकारी हो, चाहे बड़ा राजनेता हो, हम किसी भी दोषी व्यक्ति को नहीं बख्शेंगे। हमारी सरकार ने पुलिस भर्ती में किसी से एक

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

नया पैसा भी नहीं लिया और योग्यता के आधार पर पुलिस भर्ती की गई है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार चौधरी देवी लाल जी के दिए हुए नारे को साकार करना चाहती है और भ्रष्टाचार को हरियाणा प्रदेश से जड़मूल से समाप्त करना चाहती है। अध्यक्ष महोदय, कुछ भाइयों ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए गन्ने के भाव के बारे में भी जिक्र किया । इस बारे में मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि विश्व भर में भी गन्ने का भाव इतना ज्यादा नहीं दिया गया जितना हरियाणा सरकार ने किसानों को गन्ने का भाव प्रति क्विंटल 110 रुपये दिया। जिस समय चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री थे उस समय गन्ने का मूल्य 50 पैसे प्रति क्विंटल बढ़ाया जाता था और गेहूं का मूल्य एक रुपया प्रति क्विंटल बढ़ाया जाता था और उस समय जब हम इनका विरोध करते थे तो हमारे ऊपर ठंडे पानी के फव्वारे चलाये जाते थे। चौधरी बंसी लाल जी ने भी कहा कि किसानों का गन्ना नही बिक रहा । इस बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि हमारे यहां शूगर मिल्ज़ 10.50 प्रतिशत के हिसाब से रिकवरी दे रही हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि गन्ना नहीं बिक रहा, मैंने तो यह कहा था कि इस बार शूगर मिल्ज़ एक महीने लेट चलनी शुरू हुई हैं जिसके कारण किसानों का गन्ना काफी दिन तक खेत में खड़ा रहा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी बंसी लाल जी को यह भी बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के समय में किसानों का जो 21 करोड़ रुपया गन्ने का सरकार की तरफ बकाया था वह भी हमारी सरकार ने किसानों को दे दिया है और आज मैं सदन को बताना चाहूंगा कि आज के दिन किसानों के गन्ने का एक भी पैसा सरकार की तरफ बकाया नहीं है। इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने किसानों को जीरी का भी उचित मूल्य दिया है और हम गेहूं का भी अच्छा भाव किसानों को देंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने कृषि मंत्री जी की अध्यक्षता में एक शिष्ट मण्डल बनाकर इजराइल भेजा था, जिसमें हरियाणा के कुछ किसानों को भी भेजा गया था ताकि हमारे किसान वहां जाकर देख सकें कि वहां कम पानी के होते हुए भी किस तरह से ड्रिप इरीगेशन सिस्टम से अच्छी खेती की जाती है। वहां के डेरी सिस्टम को देख सकें और कुछ लाभ उठा सकें क्योंकि हमारा और वहां का वातावरण एक जैसा ही है। इससे पता लगता है कि हमारी सरकार किसानों की तरफ कितना ध्यान दे रही है। अध्यक्ष महोदय, यह पहली बार हो रहा है कि विपक्ष चाह रहा है कि हाउस जल्दी एडजर्न हो जाये। विपक्ष के भाइयों को जब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया जाता है तो वे बाथरूम का बहाना बनाकर हाउस से बाहर चले जाते हैं अगर विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये और उस पर बगैर चर्चा किए, बगैर वोटिंग कराये ही हाउस से बाहर चले जायें। ऐसा एक सैशन में पहले भी हुआ था। अन्त में मैं पूरे हाउस को विश्वास दिलाता हूं कि हमारी प्रगतिशील सरकार पूरे पांच साल चलेगी और हरियाणा प्रदेश का विकास करेगी और सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करता हूं कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को सर्वसम्मति से पास किया

Mr. Speaker: Question is—

"That the Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 5th March, 2001."

The motion was carried.

वर्ष 2000-2001 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान

(i) राज्य के राजस्वों पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा

(ii) अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, discussion and voting on Supplementary Estimaties for the year 2000-2001 will take place. As per the past practice and in order to save the time of the House. The demands on the order paper (No. 1 to 7, 9, 11, 13 to 15, 17 to 18, 21, 23 & 25) will be deemed to have been read and moved together and a general discussion on the supplementary demands is permitted. The members are, however, requested to indicate the demand No. on which they wish to raise discussion.

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 23,04,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 1-Vidhan Sabha.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 2000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 2- General Administration.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 4,28,00,000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 3-Home.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 1,08,29,46,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 4- Revenue.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 3,95,06,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 5-Excise and Taxation.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs.1000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 6-Finance.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 62,49,15,000* for revenue expenditure and *Rs. 2,20,00,000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course

[Mr. Speaker]

of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 7- Other Administrative Services.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs.67,64,79,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 9—Education.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 44,32,59,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 11—Urban Development.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs.10* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 13—Social Welfare and Rehabilitation.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 2,59,98,64, 000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 14—Food and Supplies.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 1,34,95,00,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 15—Irrigation.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 21,46,000* for revenue expenditure and *Rs. 3,00,00,000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No.17— Agriculture.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 3,65,17,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 18— Animal Husbandry.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs.80,24,46,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 21—Community Development*

That a supplementary sum not exceeding *Rs.2,98,97,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 23—Transport.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 7,000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 25—Loans and Advances by State Government.*

(No member rose to speak)

Mr. Speaker : Question is-

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 23,04,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 1— Vidhan Sabha.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 2,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 2— General Administration.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 4,28,00,000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 3—Home.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 1,08,29,46,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 4—Revenue.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 3,95,06,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 5—Excise and Taxation.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 1,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 6—Finance.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 62,49,15,000* for revenue expenditure and Rs. 2,20,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 7—Other Administrative Services*

Mr. Speaker : Question is-

The motion was carried.

[Mr. Speaker]

That a supplementary sum not exceeding *Rs.67,64,79,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 9—Education.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 44,32,59,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 11—Urban Development.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a supplementary sum not exceeding *Rs.10* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 13—Social Welfare and Rehabilitation.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs 2,59,98,64,000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 14—Food and Supplies.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 1,34,95,00,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 15— Irrigation.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 21,46,000* for revenue expenditure and *Rs. 3,00,00,000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No.17—Agriculture.*

That a supplementary sum not exceeding *Rs 3,65,17,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 18—Animal Husbandry.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a supplementary sum not exceeding *Rs.80,24,46,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 21—Community Development*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a supplementary sum not exceeding *Rs.2,98,97,000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 23—Transport.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a supplementary sum not exceeding *Rs. 7000* for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2001 in respect of *Demand No. 25—Loans and Advances by State Government.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the12th March, 2001.

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 12th March, 2001).

*16.43 Hrs